संगीतदर्पन

नं. १८५५

6121

97 complete

नं. १५

सं. द. १

ॐ श्रीगणेशायनमः ॐ नमःसरस्वत्यै
ॐ अथ हरिवल्लभकृत संगीतदर्पण लि
ख्यते सवैया ॐ कारजनतें हैं छवि टीके हू
ते लषि ज्योति नजतनहूं ज्ञानपंजपति भारी
दिये इतिथीं हरिवल्लभजानि रषैतं भ्रजोर
निकंपति प्रकसोम्रराग मनोहिकौं
ज्योतिलिंगनकी नोज्योमिलं दंपति ला
लविशाल लसैं अति हीशिवभालको ने
नकैं रहवे सपति १ दोहा गीतवाद्य
नृत्यएक हियतहैं संगीत सोसंगीतहै
विधकहै मारगदेशीमीत २ दोहा शिव
गयो ज्यौ बिरंचनेवेहें भाउकरप्रीत शिवनू
केआगेनचोसोहंमारगरीत ३ दोहा
देशदेशकी रीतमेंरी फतहांसुजोन सो
संगीतदेशीकहत ज्ञानकृताहिप्रमान ४
दोहा गीतवाद्यअरुनृत्यमैंवमेज्ञयहरु

ाज्ञान सबजनकोमनकोहरैहरषहै।
तेहिंग्यान ५ दोहा पहिलेकहैंशरीर।
विपवहुरोनादसभाइ थानहिकहि
श्रुतिकहैंगोकरवितमैवहुवाइ ६
दोहा सहसातसरगुनकहैंसरचार।
हिविकार बारभेदगुनवाद्यकेरागजा।
नमकरतार ७ दोहा कुलरजानवरा।
नोवहुरहोपरश्रवरदेव छंदप्रयोगो।
सरनकेश्रुतिजानतनकेभेव ८ दोहा
तानगुहश्रुतकूटगुनग्रामसूर्छनाजा
न ठिंवमेवप्रस्तारश्रुतनष्टउदिष्टहिश्रा
नि ९ दोहा गीतनादमधहैसदावाद्यना
दतेजानि इनितेहनतेनत्समैहैउपजतगुन
यहमानि १० दोहा आहतश्रोरश्रनाहतो
नादहैविधहोइ सोप्रगतहैपिंडमैघो।
जानतसभकोइ ११ दोहा नादश्रनाहत

सं. पुनसैवेसेवतगुरूसोपार दाताहैवस्तुमुक्ति
२ कोविननकौंकछुचार १२ दोहा आहत
मोहैजगतकोभवकोमेटनहार ताते उ
पतिनादकीकहौंसविधिओहार दोहा १३
गुदलिंगहिकेवीचहैएकचक्रदलचार
नाभनिकटमनपूरहैदलदसताहिनिहा
र १४ दोहा लिंगमूलइकचक्रहैछदद
लताकोसार हियेअनाहतचक्रहैपुन
वारहदलहोइ १५ दोहा सोरहदलकंठ
हिकमलसोरहिक्षनकोवास षड्डा
दिकजेमातसरतिनकोंतहांनिवास १६
दोहा कंठहिऊपरवटकोतहांद्वादसद
लऔर चक्रतीनदलकोकहोंभोरहवी
चगाहिठौर १७ दोहा ताऊपरमनचक्रहै
षटदलताहिनिवास श्रवनधारतामै
श्रवैतनकोंकरैविलास १८ दोहा आ

।।वाउपरजीवचढकहावैमनगमसहावे
भाइ जातवकरआवतजुफिरबटविधा
कोहाइ १९ दोहा नारीतनमैवकनैहैचो।
दहतिनमैजानि प्रथमसहावैमनाउन
इडावकरपिंगलामान २० दोहा कडव
करजुपवसनीमंवारीउनहोइ कहैहम
जिहावकरअौरवारनीजोइ २१ दोहा ज
मखनीविहोरगावकरसंमावैनीमान पू
षासरसतिहैवकरअलेखुषाडुजान २२
दोहा उतपतिनादहिकीकहैंसमासम
वैजुविचार वारपदारथपाईपतपाही।
तेनिरधार २३ दोहा नादवडीविद्यालही
सरसतिसोंवरपाइ केवलासतरुना
गहैतिवकुंडलभपजाइ २४ दोहा पशु
किशुपंछीनादकेसुनेरहितहैमोहि ना
दसतिकोंकरमकेदेखोसभजगतोहि २५

सं. दोहा नादसमुद्रकेतरनकौंसरस्वति
३ करतविचार हियमैंहैनथाघैरनउन्।
3 पावतपार २६ दोहा जानेवीनातत्व।
कौंश्रुतिजाननकेभेद मुकतिसहज।
हिमीलहैहोइकछुनहिखेद दोहा २७
जोवननेश्रेरैचितहनवहिविनइहिराइ
देहस्थानिकोनाछ्वनहिप्रेरतेहैवऊभा
इ २८ दोहा ब्रह्मांप्रथमप्राणकोप्रेरत
पावकआइ पावकप्रेरतवजुवहुउर
धपथकोजाइ २९ दोहा श्रुतिसुखम
धुनकरनसोनिकटनाभकेहोइ व
ऊहैसोधुनसूछमकरैहियेप्राइकेसोइ ३०
दोहा करैशुद्धधुकंठमेंसोसहिमध्यम
भाइ कृतिमधुनपुनवदननेंनवहीप
गटतिआइ ३१ दोहा प्रानअपानसमानव्या
नफुनिकहेंसमानउदान नागकूर्मप्र

हृत्कुकलफनिदेवदत्तपरमान ३२ दोहा
वहृदयथनंजयपद्दसोंडुनमेमुखमान म
खनासानाभीहियरहैकहेसुजान दोहा ३३
कटिजंघाअरुउदरमेंगुदअरुफेरुतिपा
हि वायुअपानरहैसदाऔरठौरवहिना
हि ३४ दोहा नैनकानअरुगलरुफपुनय
ह्यानहिकोगाउ समसरीरमेरहतहै
जाहिसमानोनाउ ३५ दोहा करचरन
निकीसंधमेरहतउदानवनाइ नागा
दिकपांचोरहैसमथानसमभाइ चौपई ३६
तीनभांतकरस्वरकोंजान मंदमध्यअ
रुतारवषान उपजेमंद्रहृदयतेआइ
उलतेउपजतमध्यमभाइ ३७ सिरतेता
रअगाटपुनहोइ यहविधतववीनामेजो
इ दाहमंद्रतेवीविपरीत मेजुकहीतो
सोंयहरीत ३८ दोहा ऊपरमात्राअवको

स
४

तंश्रुतिकरकेंजान ताश्रुतिकेपुनरहो
नहैंमेरवीमहेंश्रान ३९ दोहा तीव्राश्रो
हकुमुद्वतीमंदावहसोदेष वोष्योछं।
दोवनिवहरषद्भस्वरहिमेलेष ४० दोहा
दयावतीश्ररंजिनीरतिकवहसौंजान
पतीनोश्रुतिकहितहैंरिषभस्वरहिमें
मान ४१ दोहा रोद्रीश्ररुक्रोधावहपदु
दोउश्रार होतजुहैंगंधारमेंकोविदकह
तवताइ ४२ दोहा मध्यमस्वरमेंहोतहै
कहौवज्रकाजोइ प्रसारिणीश्ररुप्रीत
हैवहरमार्जनीहोइ ४३ दोहा छितर
कारंदीपनीश्रालापनीवताइ पचारो
श्रुतिहोतहैंपंचमस्वरमेंश्रार दोहा ४४
वहरमंदतीरोहनीरम्याश्रुतिश्रभिराम
पतीनोश्रुतिहोतहैंधैवतस्वरमेंनाम ४५
दोहा उग्रावहसोक्षोभिनीपहैश्रुतिस

नलेऊ सुरनिषादजोहैवडोसोश्रुतिर
सकोगऊ ४७ दोहा श्रुतिकेपांडेंहो
तहैमनहिंवुरावनहार ताहीकोश्रु
तिकहतिहैज्ञानलेऊनिरधार दोहा
मंद्रादिकथानहिंमिलेहोततीनविध
थ्राइ सुरसातोपैकहतहैंपंडितलोग
वनाइ ४८ दोहा श्रववारहसुरजोवि
कृततिनकीकरोवषान वेदगुनारि
ककोलिपजिनहिंकहतसंज्ञान ४९
दोहा जबहिंरिषभसुरषड्जकेपकश्रु
तिहिंकोलेइ तबहिंषड्जकोश्रुतिक।
हैसोयहसंज्ञादेइ ५० दोहा जबहिंष
ड्जकीश्रुतिजुगलबसनिषादकेहोइ
तबश्रुतिचुनश्रुककाकलीहैसध्यानहो
इ ५१ दोहा रिषभजोहैश्रुतितीनको
षड्जश्रुतिजबलेइ चारश्रुतितिनकोहो

मे ५

तवविकृतनामकोभेद ५२ दोहा म
ध्यमकीजवएकश्रुतिमिलेंगधारहिश्रा
इ ५३ दोहा ताकीहैश्रुतिलेइजववा
इश्रुतिनजवहोइ अंतरसंज्ञाताहिको
कहतग्रहैसभकोइ ५४ दोहा मध्य
मकीजवएकश्रुतिपंचमकेंसगजाइ
तवच्युततांकोकहतहैंगाननयाहीभा
इ ५५ दोहा है श्रुतिमध्यमकीजवैमि
लेंगधारहिश्राइ तवसोच्युतहोतहै
षडजनकहतवनाइ ५६ दोहा पंचमनि
जश्रुतितीसरीउतरहैजवश्रान तवसो
च्युतहोतहैंषडजकहतवषान दोहा ५७
पंचमनिजश्रुतितीसरीउतरहैजवश्रा
न तीनश्रुतिनकोपंचमहिनवहींतन
तवषान श्रुतिमध्यमकोएकश्रुति
नवहींपंचमलोकेसिकताकोकहत

हैबारश्रुतितिनउतिदेइ ८९ दोहा पंच
मतिनश्रुतिहूमरीगंधारहिकैजबठहराइ
विकृतनकहेतबधैवतहिचारश्रुतिनको
भाइ ९० दोहा धैवतकीजबपंचश्रुति
मिलैनिषादहिंजाइ होइनिषादहिंतीन
श्रुतिकैसिकसंज्ञापाइ ९१ दोहा द्वैश्रु
तिजबहोषड्जकीमिलैनिषादहिंसंग
कहतजुनाकहकाकलीचारश्रुतिनं।
केसंग ९२ दोहा प्रबारहजेहैविकृतमि
लेशुद्धसगमआइ नवतिनकोपछिनक
हैउनइनसभेदमनाइ ९३ दोहा वऊर
होतइनसुरनरकेचारभेदगाभाइ तिन
केहैंनामनकहेंवादीप्रथमगनाइ ९४
दोहा संवादीवहहोकहैऔरविवादी
होइ अनुवादीचौथोजहैसबनलीजेस
मकोइ ९५ दोहा केवाहरकेआठश्रुति

सं तिनबीचरहिहोहि तिनकेसंवादीकहैजे
९ समकपागोहि १७ दोहा सारंगधारनि
षादपुनरिषभरुधैवतजान पञुविवा
दीग्राममैहोतनिरंतरग्यान १८ दोहा
ग्रारउरनतेवादहैतेअनुवादीभाइ चा
होइनकेभेदहैमैकहिदियबनाइ दोहा १८
वादीकोराजाकहतसंवादीपरधान
भृतुविवादीभृत्यहैअनुवादीपरमान १९
चौपई मूर्छनाहिकोआश्रयहोइ सुरन
समूहजहांपुनजोइ ताकोग्रामकहैस
भकोइ जेसंगीतजानहैलोइ दोहा २०
तीनग्रामपहिलेकहततिनकोयहवि
धजान प्रगटहैहैजगतमेंइहलोकइद
मान २१ प्रथमकहिषड्जबषानयहहजेम
ध्यमग्राम तीजेग्रामगंधारहैसुरहैरलूके
धाम २२ दोहा निजबीथीश्रुतिमेजब

ह्रिंपंचमसुरठहराइ षड्जग्राममताकोक।
हतंपंडितनचितकेचाइ ॥२ दोहा जबपंच
मश्रुतितीसरीग्रानकैंपरवेश ताको
गुनजनकहतहैंमध्यमग्रामसुदेश ॥४
दोहा धैवतजबश्रुतितीनको षड्जग्राम
तबहोइ चारश्रुतिनकोहोइजबतबम
ध्यमकहुजोइ ॥५ दोहा इनकोइकइकश्रु
तिनकोंनवगांधारसुरहोइ पंचमकोइ
कश्रुतिनकोधैवतशोभासोइ ॥६ दोहा
सुधसुरकोइकश्रुतिनिह्निजवहोलेतनि।
षाद होइग्रामगंधारनवयहीगणीसंवा
द ॥७ दोहा षड्जग्रादिकमसुरनकोतातें
कोतोग्राम मध्यमसुरपरथानहैहजेसो
अभिराम ॥८ दोहा स्वरीकेकुलहैंभा
योतीनेग्रामगंधार सोसुरगहिमेरहत
हैंगुनजनकियोविचार ॥९ चौपई षड्ज

सं मध्यमस्त्रुकगंधार टेवकुलनलीनोसुवता
७ र पिंजेवषातेंपंचममध्यो रिषभरुधैवतरि
षकुललयो ८ वीर्पई दैतनितैंजुतिनिषाद
हिमूल जानलैऊयैंारनकैंमूल षड्जहम
ध्यमंपंचममान रनकोनहिजकरकेना
न ८ रिषभरधैवतछ्वीटोतु निषादग
धारवेश्पैहैमोतु मूइजातिहैकाकलिस
तर मैषहमेदकसोजुनिरंतर ८२ मालर
छेदः समस्राजवबछ्ननउनरतिमूर्छना
मनवजान ग्रामग्रामप्रतितेईतहसातक
मातवषान स्थानतीनोमिलेतेग्रारैभा
याकोहोर षड्जग्रामहिमूर्छनातूमध्यषा
ररिहिजोर ८३ दोहा निषादादिजेसप्तसवैया
तेनीचेहोत ग्रोरछ्हैांजेमूर्छनाइननतेक
रनउहोत दोमध्यमग्रामकीमूर्छनामा
ध्यमहिमध्यग्राम नातेंउनरतसप्तनै

औरमूर्छनांग्राम ८५ दोहा षड्जग्रामकी
मूर्छनातिनकेवरनोंनाउं उत्तरमंद्रा प्रथ
महीरजनीहजीकंठ ८६ दोहा उत्तराय
नातीसरोसुद्धषड्जनिदेख नवरकृता
चौथीलिषेअश्वक्रांताजालेष ८७ दोहा
अभिरुद्गताहिमानयेपंडितलेहुविचार
मध्यमग्रामकीमूर्छनाअबहिकहूंतनिर
धार ८८ दोहा प्रथमहिसौवीरावहुरहु
रिनाखागतजान वहुरकलोपनताकहै
शुद्धमध्यमसुजान ८९ दोहा मार्गीव
हुरिपौरवीह्रिष्यका वहुरगनाउ सुरश्वा
नांगांधारकीकहूंतअवैगवनाउ चौपई ९०
नंदाऔरविशालाहोइ सुमुखीकोनापा
वैहोइ वहुरविचित्रारोहिणीनाम सुखाभ्य
वीआलापासुखकीधाम ९१ दोहा सुरा
वनासवहोतहैचारवारपरमान शुद्धस

सं ८ रनतें प्रथम सहौ होत जु ताकौं जान दोहा १२
वक्र रचा काकली सौं मिली पुन अंतर परगा
स पुन दुहू वनतें होत जै ताको रूप विला
स १३ दोहा द्वैही भांत पचापाषट मूरछ
नाके भाइ ग्राम जननते सम भसमक के मे
वरने चितवाइ १४ दोहा जब निषाद श्रु
है क्रतें अंतर होत विश्राम ताको पंडित।
कहत हैं होत काकली नाम १५ दोहा है
क्रति मध्यम कौ गहै जब गंधार सों आइ
अंतर ताको कहत हैं पंडित के चितवार १६
दोहा षडज मध्यम पदोउ होत जहा इ।
कठोर मूरछना सा आवहै याते अधिक
न और १७ दोहा मूरछना मे होत है सा
तें सात क्रम आइ आपनी बुद्धि प्रमाण सौं
तिनकौं कहौ बनाइ १८ दोहा अंतर हर
हि उचार कर प्रथमादिक निगनाइ याही

क्रमतेंहोतहेंपसवक्रमकेभाइ दोहा १९
सुरिषातिनकोहोतहेंनेनग्रकहेंनेन ग
एजनजेसमकतइनेतिनकोवहसखिवे
न २० दोहा षाडवओडवहेकोजिथमू
र्छनाकीआंन शुद्धतानतवहोतहेंय
हेंजुचितमेआंन १ दोहा सातमूर्छनाष
ड्जकीतिनप्रतितानवटाइ रिषभसुरपं
चमवकसंगतिषोडुजनाउ २ दोहा
इहविधषोडुवतानपचीसहग्रामगमना
इ मध्यमहकेतानग्रवकडुग्रककरो
वनाइ ३ चोपई मूर्छनाकेमध्यमग्राम
हि तीनतीननवटकरनाहि तीनकेप
हीनामविचार षड्जरिषभगांधार
चौसहएकभेदहेंताके ऊनचासघटोडुमि
लताके ४ दोहा प्रतिमूर्छनाषड्जकीति
नमेइनेबटाइ षड्जहपंचमवकसंहितिया

सं ९

दंगधारवनाइ ५ दोहा रिषभरपंचमषु
नबैठेरुकरसषोडवतान होतधरोइपसवे
जानतवेदसुजान ६ दोहा मूर्छनाजे।
मध्यमहितिनप्रतिपकारहर रिषभ्रमनन
बभेदपचैदहश्रोड्रवहूर ७ दोहा दोउ
ग्रामकेनामिलपैतिसश्रोड्रवधार खा
डवश्रोड्रवदोउमिलैहोतअसीअरचार ८
चौपई एकग्रामसुरगासुरहोइ सप्तक।
सुरहजोजोइ विपरीतोउचारविचार रव
केकूटतानविचार ९ दोहा पांचसह
सचालीसपुनितान तिनतानइकमू
र्छनातानमैकूटतानसरबान १० दोहा
मूर्छनापरमानसोंकूटतानगुनमान
लछदोइअरुसहसपुनहोतविश्रामोश्रा
न ११ हैसअकचालीसपुनिसत्यारतनी
होइ रतनेभेदविचारिकेकहतगणीज

नलोइ १२ २८ २२ ४० दोहा संतसंतनको
एकसुरजोतंछाइतजाइ षडुग्राठहिदे
एकलोहोततानकेभाइ १४ दोहा पो
खाडवकेभेदएहोतसातसेबीस ओड
वहकोएकसोबीसकहतगुणाईश ॥ १५
दोहा चारसुरनकेकूटकोचौबिसरां
खिभाष तीनसुरनकेभेदफुनषटहि
जमनमेराष १६ दोहा हैसुरकेपरमा
नैहैएकसुरहिकोएक कहतजुइनके
तानहोतताकोसुनोविवेक १७ दोहा
एकसुरहिकेतानकौंकहतआर्चिका
नामहैसुरकोगाथिककहेसोश्रुतिहो
श्रीभिराम १८ दोहा तीनसुरनकोसा
नकोसामिककहतजुलोइ चारसुरन
कीतानकौंकहेसुरांतरहोइ दोहा १९
षडुवादिकजेभेदहेतिनमिलवायेलेष

सं एकएकछंदकीजियेतीहैविधअवरेष १९
१ दोहा साटिमाटिहैहेजुपदहैहैविधनिरधा
र श्रीरग्रदशतामेवचे चारुचारनिरधार २०
चौपई इहिविधग्रारंभ्रवालिसभाइ प
गिउनसवैकहतनहैग्राइ दोहा कहैमान
मेवीसजेनेइनमोगनलेहि चौतीसस
हसहसाचमेमाटुभेदकरदेहि चौपई २१
खोउवकीसंखिमोधाभाइ अवओडवग
नतीहिगनाइ २२ दोहा गाढियाविहैहै
वडरग्रहनिषाडुहैजान चारचारमेदा
निवनेएषटश्रोडवमान २३ दोहा ग्रा
ठजुतिनमेनवचैहैहेभेदवखान इहि
भांतिनतनुगनितकरचालिसभेदनम्रान २४
दोहा वीससहसोजेहैकहेइनमेंकवरा
नकार ग्राठसहसग्ररुपावमेहोतन
वैनिरधार २५ दोहा तिनमेनेवारहद

द्वैद्वैभेदप्रमान इहीभांतबतीसपजान
नवतहरसमान २६ दोहा चारसगनिकेभे
दमेनिषादादिद्वैहोइ चारचारविधभेद
पउपजतहैंपागोरोहि २७ दोहा षरगनि
चौबीसकरतेइहसब्योहोइ अठसठ
ग्रहैसमानविधकहैंगुणीजनलोइ २८
दोहा तीनस्वरनमेंग्राद्वैइकरकभेद
वषान चारइजेग्रोरेहैद्वैभेदनिजा
न २९ दोहा इहीभांतछवीसपछहसो
गुनेवनाइ छप्पनग्ररुपुनपकसौतिन
केभेदवनाइ ३० दोहा द्वैद्वैनिगपनिग्रा
दसरैहैद्वैविधपवरेष ग्रोरनुतिनमेंछ
हाहैपकपकनेलेष ३१ दोहा चारसर
नकेभेदहैतेहूनेकरलेहि चारग्रोरचा
लीसकुतिभेदतिकरकेदेहि ३२ दोहा
पकस्वरनमेभेदनरितेचौदशपरमान ३

सं होभांतषद्रकहतहैंपाउतनवउँसुजान ३३
॥ दोहा मूर्छनाषड्जादिहैंशुद्धमध्यमाना
३ नामैभेदकंपचकहिहैकैरोहरूठां३ ३४
दोहा अठतालीसपभेदहैंबारसुरनमै
होत तीनसुरनिक्रमहैमिलैबारहभे
दउहोत ३५ दोहा हैसुरकैहैभेदहैपा
कहिपकप्रमान उभरमैझासोमिलैसाठ
तीनसंमान ३६ दोहा होतजुहैधुनिरक्र
पतानजुश्रुतिउनमान जोकोविदसंगीत
मैजानतइनकोग्यान ३७ दोहा निषादा
दिजेमूर्छनामागीताकोनाउ पांचसुर
निकेभेदयोग्रमीबारसोठाउ ३८ दोहा
बारसुरनस्थानवैतीनसुरनदशाहोइ
हैसुरग्रामैबारपुनपकहिमैइकजोइ ३९
दोहा शुद्धिविधुकरइकटाहैहोतसबैसे
पांच तापरउँरतिरागनवैमकहोयतहैसा

व ४० दोहा पैवनादिहैपोरवीसूरखनाति
नज्ञान तामैछहस्वरवारविधुंनावनिनव
हमान ४१ असोअबाईमैसैसम्योकरी
वनाइ मैंपहतमसौंहैकेहैबउनगतिन
केभाइ ४२ औउवचनरसरवडरातिस
रहैस्वरएक उतनीसंम्योहोतहैविनसै
कियोविवेक ४३ दोहा समभिलसै।
म्योहोतहैचौतीसमैसैपच्चीस उनचआ
यनतानसौंमिलेकहतगनईसा दोहा ४४
चारहचारहपुनअसीऔरमिलैतेपक
तानजुपपुनरिक्तहैगुनिजनकियोवि
वेक ४५ दोहा सुरनऔरअसुरतौक्रम।
सौंमिलेगनाइ तिनमैपुनरिक्तनवबैठे।
कूटनितानमिलाइ ४६ दोहा तीनला
खपुनदसमसहस्त्रनौसैतीसबखान कू
टकतानप्रमानयहगुननिकहीहैज्ञान ४७

से इतिकूटतानप्रकरणंसमाप्तम् ॥
१२ दोहा पंईकादिकसुरनकेसंख्याज्ञानप्र
कार जोकछुसतिमेगुननितैकहौस्या
करनिरधार ४८ दोहा एकअगनितेसात
लौक्रमतेनलखदेष द्रवद्रवअंकसो
पाअगनितगुनलेष ४९ दोहा एकस्वरा
दिकतानकीसंख्याकोपरमान क्रमही
नेएहोतहैकहेवडेमहज्ञान ५० दोहा देख
रविस्वरचारस्वरंपचरूपखरूपुनमान का
हूपकहिकमहिलषकरप्रस्तारहिबान ५१
दोहा अवालेकेपाछेलिषोप्रथमप्रथम
स्वरवान आगेहोइजुप्रथमसुरतोताप्र
थमहिआन ५२ दोहा ताआगेलिखप
वडूरजुरथमसुरकीपांत ववेजुसुरनेकु
लिखमलक्रमहिकीभांत ५३ दोहा नष्ट
उदिष्टनितानकोधरमेरअरवजांन आदि

पातिसुलिवरनिकीपहिलेहीनूंटा न
दोहा एकएककोंटाहीनकरषटूकेप
तिहिविनाइ प्रथमपांतकप्रथमबरणप
मअंककरिलेहि ५५ दोहा ओरथांमजे
हैवेतिनमंख्यागुनकांठ हूरवहूरव
अंककोइनतेहोइवांठ ५६ दोहा नाही
अंकहीथामहीमंख्याकरगुनकार आ
गेआगेलिवेतिनहिपैहीपहपरकार ५७
जितनेसुरकेभेदकोजानौंचाहेचित ति
हिप्रमानधरकाकरीक्रमकोटनकेचि।
न ५८ वदसोलिवेनहूमूलक्रमताडुवे
उदिष्ट याकोमारगथोकहैसबकविपंडि
तभिष्ट ५९ अनरसुरजोउदिष्टकोमूल
क्रमहिजाटोर अंतहिजेगननीकियेला
प्रमानकरिजोर ६० दोहा कांकसुजोडुप
रधरीसोनीचेकोआन लवथमसुराहिको

सं
१३ छोड़कारवड्राइद्दीविधस्तान ९१ अंतरअंतर।
केसुरदोउजोआवैसमभाइ नोतिहूंको
13 छोड़िदैपोउरिहूगनाइ ९२ दोहा अंतना
मलेजगाकेहूयाकोरूपवनाइ माग्रानह
नुकहूतनेहैपंरिहतवितकेवाइ ९४ जिना
मुकनकेजोरसोमूलअंकमिलहोइ से
म्योजिनकेथ्यानकीनहिसरहितजोइ ९५
मूलकमहितेगननकोनहिड़ैमेंजिपअ्मन
लघुसुरहिकीमागकरिअैसेनहिवरोन ९५
श्रुतिधरमेरतछोरिहिएकरणसमासम २
दोहा साधारणाहैभानकेरहरावतक।
विलोइ स्वरसाधारणएकहैहैजेजातिरि
जोइ ९७ स्वरसाधारणचारविधकोवि
दकहूतनविचार काकलीअंतरवडूजन
मध्यमहूनिरधार ९८ दोहा साधारण।
जोकाकलीसुनिसुरहोमेंहोइ अंतर

साधारणवक्रगमकरमैंतंजोइ ८९ परि
लीअक्रतिलेषहूकोसंकलिषाटटहराइ ले
हूवोघोअक्रतिवहैषहूसाधारणभाइ ८०
रहीभांतिगमकरनिमैजानलेऊसभा
कोइ मध्यमसाधारणसबैकहतगुनी
जनलोइ ८१ दोहा आलोपनहैरागको
नामैंपोहीजान यातेसगसाधारणेपा
ड़िनकहतवषान ८२ छंद वरनोचार
भांतिकेकहिये स्थाईअरुअवरोहील
हिये आरोहीसंचारीजान रवकेलछ
नेपोतंमान ८३ दोहा रहिरहिकहिये
एकसुरथाईताकोनाम कृश्यगामी
होइजोसोआरोहीधाम ८४ उरथतेग्र
घकोचलेअवरोहीकहितहि पलवही
तीनोमिलेसंचारीकहितहि ८५ यासु
रमैंठहराइसुरथाईनाहिवषान सबक

सं. विको विद जो कहै हजो परहमते जान ७५
१५ दोहा गीत ग्रग्र जो गाय पहि सोइ ग्रहत राहो
इ जो सरग्रंन हि गीन के मासक है सभको
७६ दोहा बारबार आवै जु सुरमोई ग्रंस
प्रमान बरणन को रचनाजु है अलंकार
को ज्ञान ७८ दोहा इक इक सुरहि जाति
मैं अलंकार गनि का ढ सारि ग्रसै व पहो
तै है तिन परनी नो वाढ ७९ सारिसारिगम
गमगमपमपमपधनिधनिधनिध
इति प्रथमा सनिरिरिगगमपमपपधध
निनिसस इति द्वितीया अथ अलंकार ल
छन दोहा सात स्वरनि हो तहै जतिजे
तिनके नाम षडज ऋषभ गांधार है मध्य
म सुअभिराम ८० पंचम धैवत और है एक
हतनिषाद हि लोइ तिनको संख्या हू सरी
सरिगमपधनी होइ ८१ षडज स्वर हि के की

कहैं अब भट्टिवानकस्थान ख्याल कहैं गं
धाराको अध्यम कोंवनचाव ८२ पंचमस्व
रकोकिलकहै थेवतदादरभाइ मानो
गजवालेसदास्वरनिषादयाचाइ ८३

१	०	०	०	०	०	०	०
		१	२	६	२४		७२०
		४	१२	४८	२४		१४४०
			१८	५८०	२८		२१६०
				८७	५८०		२८०
					८०		३८०
							४३२०

भाषाहू
रवल्लभ
रच्योसब
संगीतकोसार
तामेसंपूरणभयोस्वरअ
ध्यायविचार ८४ इतिषड्भेद दोहा
हीवल्लभभाषारच्योसबसंगीतकोसार
तामेसंपूरणभयोस्वरअध्यायप्रकार ८५
अथरागाध्यायलिख्यते दोहा धुनविशे
षस्वरवर्णसोंहोइरतिभूषनदेहु जनमन
कोंमोहनकरैवहैरागरसलेहु १ छप्प

सं गंगांनंगतीजेक्रियाग्रंग ३ इनकोकरोहू
१५ पवैयोथोउपंग २ दोहा गगग्राहकोश्रउ
मरैमोकहिपगगाग चिनवोरमननह्रो
15 हुश्रनेगकोश्रंग ३ दोहा करहनाश्रहउन
माहपुननातेउपजनश्राउ नाकोकहन
क्रिंयागाहुमवकविकोविदराउ ४ दोहा
कडुश्रकछायाश्रउसरैंनाहिउपगविवा
द करतश्रवेकाउगरमांसोजियमेश्रवथा
द ५ दोहा तारनिमैनवैगजुनश्रहगमक
निकेमग वनराइवडतेनहराउपजेमहने
श्रनेग ६ दोहा श्रवमनगाकेमनहिले
गगहिविविधवखान शुद्धश्रोरछायाला
गेपुनसंकीरनमान ७ दोहा शामहरीन
मेंमनहरैगगमहमोहाउ युगलशुद्धा
छायामिलेछायालगनहोउ ८ दोहा
शुद्धहछायालगिमिलेसंकीरननेहहोन

श्रोतन सुनत नहीं करत है जब मन सुख विहि
उदोत १० चौपई कहि नाएन को मतनु
बकहौं जाते सबविधि धवकु विथलहो १
दोहा औरखवारखहौहिहै तो जे हरनरा
ग तीन भांति थें कहत है जे पंडित बड़भा
ग ११ दोहा वीसराग जे शुध्य है तिन बीन
ना तुआन पहिले श्रीरागहि कहो है जेना
टकैं मान १२ दोहा तौ जे कहै वेगालगु
न भाषा चौ छै जान मध्यम है उनपांच सु
छपद्य बखान १३ दोहा एकहु सत है
मानपेकोलहौ सुबसठाउ सम सतथे
रवदसैना टसपारहै नाउ १४ दोहा मेघरा
गउवनवारहैं सोमरागकामोद चोदह शे
दसजानि ये उपजावै वहिमोद १५ दोहा
नाम सुपांचमो पंडुरूप इरदस सक कंदर्प
हरकरनजो छिनक मे गुनजन वित सरनपे १६

सं
१६ 16

दोहा सुनि हनुमान नैं कहे राग कौं ककुभ अरु
ष्टंकसटोर कैंसिकनवटंसवीसपलटना
रायणऔर १७ भेद रागरागनीमतश्रव
कहौं बारपटार थाछिनमैंलहो दोहा १८
शक्तिहशिवसंयोगतेंउपजेहैंसबराग मो
दवेउनिनकेस्तनेउपजततेहैंषटुराग दोहा १९
नमसमयशुखवेपांचतेंउपजेपांचोराग गि
रिजातेशुखवैतेंछठोभयोरागवरभाग दोहा २०
प्रथमहिंसद्योजातशुखश्रीरागहिउपजाइ
वामदेवशुखतेंसमरेकस्योवसंतवनाइ २१
तीजोशुखसुअघोरहैंसोभैरवकीठौर चौ
थोशुखतत्पुरुषहैंतातेंपंचमऔर २२ मे
घरागएकसोवह्ररंपंचममुखईशान न
टनारायणहैभयोगिरिजाशुखहिप्रमान २३
एकसमैमेंरुद्रनलगोपारवतीहितदेव रा
गरागनीकोकह्योमोसोंकहुअबकभेद २४

ममपकह्रोञ्चकस्सन्नकह्रोश्रोरद्रूपञ्जुरा
र हैपसन्नमोकोकह्रोजीमैंदयाविचार
नवशिवन्नलागाकरूनकठुभ्रकवकञ्
सिकाइ स्तनश्रीरागावसन्तपुनभैरवको
ञ्रागनाइ २६ पंचमवकुरोत्रानिधेमेवरा
गरसतेहू नटनारायणपछह्रोपुरुषाकू
तिसूनलेहू २७ श्रीरागाहिकीरभानीति।
नकेपषट्नाम टंकमहाराद्दगूजरीविव
र्णीश्रीतिग्रभिराम २८ गौडीकेदारीवकु
रमधुमाधवीवषान छठैंहैगुपरहाइका
श्रीतिहोरामकोवान २९ देषीदेवगिरीव
कुरवैराटीह्रवधाम टोडीललितारुवकु
रउपनावैचिनकाम ३० हिंदूलीभावना।
वकुरागावसंतहिचित पछुरूपाकीरा
गनीलेकु ममफलममवित ३१ पहिलेक
हिजविभासकोभूपालीपुनह्रोइ कणी

से
१२
17

टोवउहंसकामालसिरीगुनजोउ ३२ म
ल्हारीअरुसोरठीसावेरीरससार कैसिक
गंधारीवरूराळटपट्टमंसिंगार ३३ पटमं
जरीवृषानिधेपकहूंपंचमतीयै तिनहूं
ताकेसंगरहैउपजावेसुखजोय ३४ मे
घरागकोजोषतामेजुकहूंनिरधार न
टनारायणकोतियाअवतंलेहुविचार ३५
प्रथमहिकामोदीकेहुकल्याणिआभीर
वडुरनाटकासारंगीऊटवेनटहूंवीर ३६
अथसमयकथनंम प्रातसमयजोगा
इयतिनकेसुनतूनाम देषीअरुहमयु
मायवीभूपालीअभिराम ३७ विलाव
लीअरुभैरवीमलारीउहिभाउ शुभमा
गूजरीओरहैंवंगालीहिमनाउ ३८ मा
लवसिरीधनासरीमेवरागगातिअंत दे
शाकालअरुपंचमोभैरवललितवसंत ३९

कौसिकबड़ोरागजेरीसावेरीसुखभाइ
देवीग्रहपटमैंजरीबड़रागनकरीगाइ ४०
रामकरीग्रहमोरंगबड़इभैरवीहोइ पक
वहिरुपाइनेकांनकरोविमहोइ ४१
दोहा दोइपहिरयप्रीतमोंइनकोकरि
नेगान इनकेनामनिरामनिकोबड़वि
धकरोवषान ४२ वैराटीग्रहटोडिका
कोमेरीपुनिहोइ गंधारीहकुडापिका
नागशवटकाजोइ ४३ देशीसकरआ
भरणबड़सौंकहैसुजान श्रवसुनवो
धपहरकेतिनकेकरोवषान ४४ माल
वग्रहश्रीरागपुनिगौरीनटकल्यान त्रिव
णहनटसारंगफनिसवनाटनकोज्ञान ४५
केदारीकरनाटयोआभारीइहिदाइ वर
हंसोरुपहाडियोइनहूनीकेगाइ ४६ बो
धपहरहिआदिलैआधीनिशानिरधार

सं १८ कोविदयाविधकहतहैपहैजुइनकोवार ४०
जाकोजोसममयोकहौनवताकौकारजा
18 न श्रीरसराजाकौलहमैंसमपसैवेसमा
न ४८ चौपई भैरवकौसिकमहइंहिंडोल
दीपकसिरीरागकृतिबोल ४९ इतिषट्
रागनाम अथइनकौरागनीकेनाम दो
हा मधुमाधीअरुभैरवीउनबंगालीहोइ
वैरारिकोहैसैन्धवीपभैरोंकीजाइ ५० दो
होविभावतनवहूरगौरीगुणाकरीराग कु
कुभौमिलपरागनीकौशिककोवरभा
ग ५१ पहिलेहैवेलावलीरामकरीश्रीभि
राम देसाषापटमंजरीललिताकुसवधा
म ५२ हिंडोलहिकीरागनीपइंपांचोवाम
दीपकरागकीरागनीपांचोतिनकेनाम ५३
कहोवसंतीमालवीमालसिरीताराथ्य
धनासरीआसावरीसिरीरागरननाथ्य ५ ४

चोपई मलारीनंप्रथमगनाई बङ्गदेश
कारीहिवनाई भूपालीतापाछेजान वङ्ग
रागनरीहीकोंमान वङ्गरपावपनस्तोम
ग मेघरागसंगकेरहेराग ४९ अथरा
गनीकोउदाहरण भैरवरागलक्षणम
रोहा श्रुगामासग्रहपमैधैवतादिहैहोत
हरनै धैवतमूर्छनाभैरवप्रातउदोत ४९
यथाकवित सीसजटानिमेगंगनसो
त्रिलोचनचंद्रललाटहिउपर लालवि
शालफनीसिरकीमणिजोतलसैका
कुंडलडुपर रूपकपकरशूललिए
हरिवलभरीकेवजेउमरूपर भूषणना
गनकेतनमैधरभैरवरागविराजतभू
पर ५० धनिसनिरिसधनिसधपमम
धनिसमगरिस अथरागनीमधुमाधी
सरूप: सवैया देतअलिगनकुवनप्रीत

सं
१९

19

मस्थानंदसौंजकलुहसिकै लोचनमोचन
दैडखिकेछवनीरनहकोंगईनसिकै कं
वनदेहदिपैलगोकुंकुमटोडीमेंदीनोम
सामसिकै हरवलभभैरवकीतरुणी
छविसौंमधुमाधिरहौलसिकै अथमै
रवीलक्षणम दोहा मामश्रमगहमध
महिसप्रगणपुनिहोइ एकपहरलौभै
रवीगावतहैसभकोइ ५१ अथभैरवीस्व
रूपकथनम् कवित गिरकविलासमै
विलासहासवनिवैठीकहिककौवोकौ
प्रगितिजासौजानीहै चंदमुखीचपला
नैकाहदेहइतिदिपैकौलकुसमतिमि
वम्रखाकठानीहै इंदीवरदलहनैदीर
बैदेबेहगकरधरतालबालमरउगुसि
कानीहै जिपकरगौनहरिवलभयोसु
खजीतमैसौरसगीतकरभैरवीवखानीहै ९

सगमनिधनिधपपधधममधपमपध
मपगिरिससधनिसरिगममममपधप
गमरिसनिधनिस अथ बंगालीलछण
म दोहा भूषनतीनसकारसों संपूरण
पहमान बंगालीकोंप्रातहीगावतस
वेसुजान ८१ यथा दोहा बलितहतंबुजी
धैवलककलचीरवनाइ सभगभेवह
कुमारननबंगालीधाभाइ ८२ अथ ब
रागीलछणम् दोहा संपूरनसुरहोतहै
सउपभूषितअंग पहरहेकवीतेकरो
गगवराटीसंग ८३ यथा सवैया वीर
लिघेवतराविनवोरनकेकनकोकन
कारसनावे हे विधुरीस्रलकेफलके
छविरामसछवीलीअनंदवढावे सोना
मेसोहजफूलवचिनउकूलभवनेचित
कोललचावे पेसीवराटीवनीहरिवल

सं.
२.

20

भगीतमकोवहुभांतितिकावे ९४ रिम
रिमपधपधमपधमगरिनिधपधपमनि
पपगपपधधपमगरिगम अथ सैंधवील
क्षणम् दोहा तीनसकारनसोवनीमू
रछनाहैआट षाडवप्रातविहीनहैसैंध
वरागअनाट ९४ सैंधवीस्वरूपकथ्यते
यथा सवैया अरसैवरवैशिवकोनि
तहोविनहीरसवीरकैभारभरी त्रिसूल
लियेकरमेंहरमेंरतिराजनीमहातनमारी
धरी अतिभारसैंसरतनारहगंवलवच
लकोपकीकांतिकरी हरिवल्लभसैंध
वीरागनिधैप्रियप्रीतकीरीतनमाहिढ
री ९५ रिमपनिधपमगमगरिम इति
पंचभार्यासहितभैरवरागः अथमाल
कौशलक्षणम् दोहा तीनसकारना
सौवनाअौरवतिपहरहीन तीनपहर

परीमालवहिगावहिवरेषवीन ९९ अ
थमालकौशिकस्वरूपम यथा सवैया
केवनतैंकमनौयकलेवरकामकला
निमैकोविटमानो मानोमहारसवोर
हिमैनितरानहैवैवमनोजगजानो वै
रनैमारकपालकोमालधरीवडवीरन
हैमनमानो योहरिवलभरूपश्वरूपस
मालवकौशिकरागवषानो ९० अ
थकौशिकरागनीटोरीलक्षणम दोहा
मासश्रमशरहखडगाखरश्रगापरधरणा
जोत हैपहिरनिपररागनीटोडीनितहो
होत ९९ यथा सवैया उज्वलअंगनवषा
रहुनैश्रुतिकुंटकोहारुगोरेछविछाजे
केसरयोरकपूरकोवीरकोयन्तनमे
स्वेवशोभासमाजे वीनावजाइरिकाइ
लियेमगकाननिकेलकुतूहलमाजे

विनउकूलथोहरिवलभग्रंमेहिदोरी
थौरागनिराजै ९९ रिसरिसमरिपमरि
रिसनिसरिगमपमनिनिधमरिसगा।
रिसरिसनिधनिगरिसमरि अथरभा
वतीलक्षणम दोहा नौनथकारनेंसो
वनीअरुपंचमकरहर खोडपहेंवें।
भावतीजामैहैरसपूर १ यथा कवित
संदरसरसनैनोवनवनावबनीहूज
तिविविकोसजतिमोदमनकों कुह
सुरमड़कलकोकिलनेकमनीयतां
नगानमैंप्रवीनजानेगुणजनकों मी
ठेमीठेवैनविनवेनेंटेनकहिकहिकबु
भसकाउउपजावनमदनकों भावभेद
करहरिवल्लभयोहिपद्दारवभावतिषि।
नषिनभावैसभजनको २ अथरागा
नीगौरीलक्षणम दोहा ग्रंसन्यासग्रह

बहुतेधरमनहींनवनाइ मुरछनापा
हिलीवकहतीनपहूरपरगाइ ॥२॥ यथा
मैवया कानरीमालकोमकरीरानति
कोकिलनेकलकंठगहीहै गौरीसी
मूरतमोरनिहूजतिश्रानंदमेश्रतिहू
३महीहै भूषणकोरवनेतनमेहरिवल
भरागनिगौरिकहीहै रूपगुनूपविराज
तेमंदरपीतमकेमनभाइरहीहै ॥२॥ प
मपधधपधनिपगधसरिपगरिससरि
गरिससमपधससनिसरिगरि श्रथगुन
करीलद्दगान दोहा मासंश्रसगहूषइग
तेश्रकंसहूरणहोइ पकपहिरपरगाइये
कहतगुणकरीलोइ ॥३॥ यथा कवित
विरहविथातेहीनदेहभईश्रतिछीनमा
तिहीनतिपटमलीनधुतिधरीहै विछु
रेछबीलकेसलगनमहेसमेसरानेरा

सं.
२२

तैसेंनभमकरतामेंछुरीहै नीचेमहावरू
विरूविचितमेंनकहूमहावरहरिवल्लभ
सकलमहीयगुधिरहीहै जगतमेंजाकी
इहिभांतनवखानीइहमालवकोरागतीउ
नकरीगुणकरीहै २४ अथककुभा
रागनीलछनम दोहा दैवनखकुसुमसमा
सगरहमुखमधुरागचंद तीनपहरायवरा
रागनीककुभाकैरंगवंद २५ यथा स
वैया मोटेमहोनवनीअंगग्रगग्रंतग
मनीवरनेकोतुकेसे चंपकदामसगरेअ
भिरामरूपीतउकूलधरेतनवेसें रोच
तिवरमुखवीवनमेंपिकनादमहानेउखपा
वननेसे चौफूलमेंरतिकेहरिवल्लभलो
नीमहाककुभाकहिअमे २६ इतिप्र
वभार्यासहितोमालवकोरागरागः समा
नः अथहिंडोलरागः दोहा षटरागमें

अहमासमग्रहस्यरूश्रीउवसखिवोल को
विहथोंसवकरूतहेरिषवजितहिउल
यथा सवैया फूलतफूलफूलावतिहै
रमनीकमनीसवरूपललीहै कामकु
तूहलकेलिकरैअतिकंचनकेरंगवी
रगहीहै लौमिलसेइदिदेहकीथोल।
विषोनकपोतकोलाजरहीहै वीन
लिषेकरमेंरसरीतसोंवलभरागहिउ
लकहीहै १८ मगमगमधपधनिस।
गमग अथरागनीविलावलीलछन
म दोहा देवनअरुंमंमासग्रहस्वरनम
नेमयोग धरबनाहैसरवीवीररसमहिस।
योग १९ यथा सवैया नीलसरोजनै।
श्रोनलसेनतनेमेपटसेतरहैऊलसानी
जाउसकेतनिकेतनहिमैंहरिवलभप्रीत
ममोरतिमानी भूषनभाउवनाइकछूम

सं सुकाइतवैवरूसोललवानी ध्यावति।
२३ वारहिवारमनोजहिंग्रसीविलावलीहै
23 जगजानी ८। सरिगधपधधपमगरि
ससरिगपमगमगरिससरिगमनमग
पधसनिस अथरामकरीलछणम दो
हा षड्गामासकरिमासहैअरुपूरन
परमान पकपहरपरकोजिपरामक
रीकोगान ८। यथा सवैया सोनेतलो
नीवनीसबअंगनभूषनभाइजराइल
वीहै लीलनिवोललसेहरीवहूभलो
लकपोलनिशोभासवीहै ध्यापरेप
इनमानतिमानसुहैननिसैनिठगाइन
वीहै नामसुनेउपजैसुविथामसुराम
कलीअभिरामरवीहै अथदेशावललछ
णम दोहा सत्रपभूषनअंगहैअरुसं।
हारमहोर कोउवाउवकहतहैरिषभ

ह्रीनपैजोर ८३ यथा सवैया अंगक
पूरंहतेकमनोयसरोजनिहूतेविराजै
विलोचन ह्रबैंतनरोमलुकोरसवीर
सधीरवडैकछुनेकुसकोचन दीर
बमोलहहैभजंद्रप्रचेरमहाचितको
श्रतिरोचन यौहरिवलभरागादिसाव
समूरतिमलहिडवमोचन ८४ अथ
पटमंजरीलछणम् दोहा पंचमअंग
हमासथरहसहरननजोति हरिवल
भकविपोकैहूपटमजरीह्वैहोति यथा ८५
पीकेवियोगवछौनतनरोगउमाउरवैकै
सहहाैरहहागनि वैटनंहीसिरमाइति
पारजधूसंअगामहाअगुरागनि सुकमो
हाहकछुनविचारसवीसमफावतिहै
वडभागिनि वारलसैविथ्यंरहरिवलभ
श्रैसकरीपटमंजरिरागनि ८६ अथल

लितलद्वणम दोहा सत्रपमेंरागजेमरा
श्रीउबरीपबटजान ललितश्रतहोगा
इयेकोविदकरहीवषान ८ यथा स
वैया वेपकतेश्रुतिवारवनोतनहारगरे
श्रातपत्रकोछाजे नोवनजोतलगोश्र
तिहोइतिटेरविमनोजहूकोमनलाजे
हासविलासभयेहोनितहीछविलोचन
कौसबकोसुखसाजे प्रातहिंमंदहसैंवि
कसीललिताहीविलभैश्रीसविराजे ६
सरिगमपगरिगरिसनिसरिगपगमरि
स इतिपंचभार्यासहितोहिंडोलरागः स
मापम अथदीपकरागलक्षनम दोहा
तैनसकारनमेंवनोसंपूरनपरिमान
सबकोविदपाविथकहैदीपकरागवा
षान यथा सवैया केलिकलामेंप्रवी
नमहाश्रुगश्रागेश्रंनगप्रकासकियोहै

भामनिभोनंअथेरगाईरतिकोअतिआनं
दमानलिषोहै भूषनकेमनकेउजिया
रीतहांप्रगटीरविमानोविषोहै दीवनवे
तिपकोहरिवल्लभदीपककोसकुवानो
दिषोहै १० अथदीपककीरागनीकिद
रीलछनम दोहा निषादमासग्रहंअंससु
रुम्रोउवरिषमरहीन पहरपकतेगावही
आधोनिसाप्रवीन जथा सवैया सीस
जटानिमजोतछटाछबिजाततंगगातरंग
नभारी भुतिसारकोउपरें नाफबोज्ञन
आछी विराजतिग्रीवअधारी जोगकेआ
सनध्यानधरें तेमसाधलगेतेलगीहग
तारी रूपअनूपभयोहरिवल्लभरागकी
दारकीरीतविवारी ११ गमपमपगम
गरिसनिसनिरिसगमपसनिधपगग
पगमग अथकाहूरालछनम दोहा

सं २५ निषादमासमग्रहस्वमग्रहविकृतिनिषादोहो
२५ ३ तीनपहरपरगाइंपंथोंजुकहैसवकोउ १२
जथा सवैया पानकृपानधरेंअभिमान
सोग्रानकेंग्रानतहेंनहिहियें भूपसरू
पअरूपमराजतिमेंनहकीछविछीन।
कियें वीरमहारमाहिछकेंकरमेंस
यमतकोंदनलियें मरदानकलिकेरे।
हरिवल्लभकाहूरिकेंमनलोकजियें १५
अथदसोलछनमं दोहा तीनरिषभरा।
जेरिषभविकृतनहोतहेंअउ जामसगुगल
पर्योंकहेंदसोरागवनाउ १५ जथा
सवैया लेनउनीदेंदिवेअतमोहेंनसोहें।
केरेसुविपोइपियानन लागीजगावन
कोगुरिफावतगावतेंतानतिहेंहेंमहा
मन रतिमेरतिरामसिंगावरथ्योंहरिव।
लभमेंसोहनभूषनकेगन गातगराइंमे

मानौहरिबनदेसौंविराजतिदीपककीग
न ९८ मगाधवगारिससगधधधमधध।
मगास अथकामोदीलछनम दोहा धैव
तंअंसहूमासग्रहेहेमलारकेपास संपूर
नउगराजामसपरकामोदीपरगास यथा
सवैया पहिरेंबरपीतपियावनवेनुजितही
नितडोलतहैंअरफानी प्रीतमकौंसिमरें
मनमैंउघहूनौवछोसुननकेंपिकबानी
भामनिफूलीकरैभमरीनसहानहैमौत
वियोगनिमानी केसमहेमलहेंहरिवा।
लभैश्रीकमोदिनैभांतबखानी ९८ अ
थनटललछनम दोहा मामस्रेसग्रहवड्ग
मैसरग्रहहूरनभाइ पकपहरदिनआदि
लैआधीनिसलोगाइ ९९ यथा सवैया
मोनेतेलैनेवनेसवअंगनतेंरंगवछोरन
ंगमैडोले लालगुलालसोलोहभमात

सं
२९

नवीरमहारसमाहिकलोलै मोरपरेश्रुरि
भारेमहोपरेपाबनडुविलगांठनिबोलै
नेजप्रजाणनैपैहरिवलभयोनटरागकु
मानसोबोलै ।१। सरिगपमगरिससरि
गधपगरिससपमगमपपधपनगरिरि
गमगरिससरि इतिपंचमार्यासहितोही
पकरागःसमाप्तः अथश्रीरागमालछंने
दोहा सजपभूषनअंगसबसपूरनपाम
न नीनपहरपरगाईपसकलकहेसज्ञान ।१।
यथा सवैया वैसकिसोरसमनोहरमूरति
मैनहेतैजनकोमनमोहै केलीकलामे
प्रवीननवीनरसालकीमंजरीश्रोनमेसो
है मैसरापरजातिकसोतोअनेगजग
तितितहोतितमोहै लालधरैपटभूपति
मोहीवल्लभरागसिरीससकोहै २ सि
सपसनिधपमगरिसपगगरि अथवस

तलहनम दोहा १ नततनमुश्रघवनोम
रछुनाश्रीराग गावतरागवसंतकोश्रा।
नमसैवरभाग ३ यथा सवैया उजल
हैनवपल्लवहेदुमकेवनकीछविश्री।
रितराजवनाइ नीलसरोजनहूतेअभिरा
मलसैततनघणमकीसोभासहाइ गावै
नसेविवमोहरिवलभरागवसंतवसंतव
नाइ सरिमधधपमपमसधमधधधम
ममगगरिसनिसनिधमधधधममम।
निधपमप अथमालवलक्षणम दोहा
नीनतिअधमरसोंवनीश्रफकाकलय
भिराम नीनपहिरपतिसीतहेमालवश्रु।
तिसविधाम ५ सवैया केलिकलामैअ
वीनमहाकमनीयकलेवरकांति३ मोहे
तुवनदेततियासवसेंसुखपामसभेग
रेहारवमोहै वेदकुतेसुखमेंरलराजत।

सं कुंडलजोतकपोलसमसोहै आयोसंके
२१ तहिंसाकससैहरीवल्लभमालवरागव
82 सोहै ९ अथमालसिरी दोहा छडमा
सश्रुकश्रुसअरसपरणश्रराजोत माल
सिरीरसरीतसैप्रातसमैहोहोत यथा १
सवैया लालसरोजसमैकरवालविशा
लदृगचलसोंश्रुतिराजे वारहिवारनि
हारतिहैइतिदेहकोतेहसोंभूषनसाजे वे
ठीरसालतलेरसरीतसोंदेवनहोरतिला
जे धीस्रसकांतिलजातिकछुहरीवल्ल
भमालसिरीछविछाजे ८ निधसपस
धनिसनिसनिससनिधपसगासधपसपध
पसपधपसधसपगारिसरिसरिगपरिसा
पध अथआसावरीलछनम दोहा धैव
तश्रुकससासअरहदोननिषादगंधार श्री
डवकरनारसरिसैआसावरीविचार ९

सवैया मलयानिरकेवनमेवनिताहरि
वल्लभआनंदभारभरी श्रुतिहारसुठअग
रंगजसोतनमोरंगलोवनेसारीकरी १व
वटनकेउमेतेगहिनागनिलेकरिमैगार
वालीविरी निजदेहकीदीपहिसोआसा
वरिदीपनिश्यामघटाकोहरी १ रिमग
रिमधपगरिसरिसमगरिमपधधपमपप
मगरिसधरिसनिधपम इतिपंचमार्या
सहितोश्रीरागः अथमेघरागलक्षणम
दोहा श्वेतपत्रधसौवमोधेवनविकृत
होइ उत्तरआइनमूर्छनापातमेघकोजो
३ ॥ सवैया नीलसरोजलोदेहदिपैक
टिमेपटपीतविराजतिहै श्रुतिउज्जलच
दउजागींलैउपैनामहाछविछाजति
है तनजोवनजोतजगीहरीवल्लभमरह
मैसुविछाजतिहै जलजावनतमानकि

सं गावकलौंयहमेबसरागयोंगाजतिहै १२
२८ अथमल्लारी दोहा येवतअंसहमामग्र
हषउगारिषभसोहीन गावैअोउबशात
हीमल्लारीपरवीन १३ यथा सवैया
हामनिकोउतिनीतलईहरिवलभग
जतिगातगोराई वीनलियेतियगावन
केमिसभावनकोसधिलेतमदाई को
किलतेकलिकंठवनीतिजनोवनटव
विहारफाई अांगुछटेअतिछीनभई
वियगातिरागमलारीवनाई १४ य
सारिमपरिधमसधमधमसारिमसारिमपध
पमधमपधमधरिमधपम अथदेशका
रीलछनाम दोहा षडगमामग्रहअंसग्र
हवंटसपूरणमान गातदेशकारीकहै
मिलीवराटीगांन १५ यथा कवित्त प्री
तमकेमाथकेलिकैानककरतिअति

कोरेसटकोरेकेसखविहोतभारीहै
शरदसहूरनसुधाकरकीशोभाजीत।
वदनकीदीपतिदिपतिउजियारीहै
मैगअंगराजतिसुनैनामईअदभुतिक
चनसौंकंचनकलरतिहारीहै कमल
सेनैनहूंविलभैहैसुविदनसदवैनबो
लतिपैरागरेशकारीहै सगधपगरि
समगपधपधपमपधमसगा ऋथभू
पालीलछनाम दोहा तीनूसकारनअं
गरविसुविपरहरनजोत शांतिरसहि
मैप्रातहीभूपालीसुरहोत १० यथाक
वित्त चंपकतेचारुदेहभरीअतिपियने
हअंगअंगकामगेहअधरनलालीहै
कुंकुमकीबेंरिवुलरहीहैकुचनिपर
मंदगतिदेविलजतहियमलारीहै पा
तिरसमाहिहरीचितअतिउरविभरीउरअं

सं
२५

निलगातवियोगवानभलीहै नैनहरि
वल्लभलसतिइन्दीवरहूंनेआलीसंगसो
हतथैरागनिभूपालीहै १८ अथदछ
नगूजरीलछणम दोहा सबभअम
अकमासग्रहरविनपरिपूरनगेह धन
मूरछनापहरपरवरमनहैसबिगेह १ ५
यथा सवैया कानननैअगअगवनी
छविशपमवटामैछटासोछई केशव
देपालसेअतिहीरंगाउजलहैतनमारी
लई पल्लवग्रामनवैहितिवनचंदनके
हैसवासमई हरिवल्लभवीनलिएकर
मैपरदछनगूजरीवैसनई २० सरिगप
धमसपमसमपमसधधपपपध अथटे
कलछणम तोनोहैसरषडगतेंअरसे
धरनअेग कविजनपेसेकहतहैटंकरा
गनीरंग यथा सवैया सोवतिहैनलि

नीटलसेच्चमेंहृंदरौनैनकेवानहनी शी
तलसोजनिलैग्रलिग्राइंकरेउपवारकी
रीतनबनी गुरुग्राघातवैपिपदेखितिया
कोकछुमनोहारकोरीतनठनी ग्रतिहू
पग्रनूपकहैंहरिवलभयाविधराग।
नीटंकवनी २२ इतिपवभायीमहितो
मेवराग: ग्रथनटकल्यानलछनम
सैवेया रातसहातेलसेवटजीनेखिरी
प्रगटोसहगातउराइं भालमैटीकोल
सैग्रतिनीकोविलोचनमैदरसोग्रर
नाइं डोलतहैंकरवालीलियेमुखमेर
सकीरहिकोछविछाइं तेजप्रतापतेहै
हरिवलभनाटकल्याणकीरीसवनाई २३
ग्रथसांरागनाट दोहा सवयउनरमद
नेग्रहसंसहानभाइ पकपहरपरकहां
नैहैसांरागनाटसहाइ २४ सवैया वे

सं ३. सिकिशोरीहैगोरीतियाउतचोरीहैंचपे
केफूलनको केशसदेशवैनीगहीछ
30 विछोनलईसवितलनको करवीन।
लपेतहूकेतहूवैठतिमाझसजेसुविसु
लनकी हारवलमसारंगनाटकोनाटन
श्रीरलेगेसवतलनकी ३५ अथदेवगि
रीलछनम दोहा देवगिरीकेसरसवेसा
रंगगागसमात याविधयाकोकहतहैते
परितसुजान ३६ सवैया श्रुतिहीअभि
रामलसैतनथणसमजीतलईछनगण
ममिरी पीनउरोजउतंगवनैगिरहारय
नैतियावानविरी मनवकोरकैनैन।
तिकोछविनैनतिमैश्रुतिश्रानयिरी ह
रिवलभअंगसहेलेहनीपहरानतिर
गतिदेवगिरी ३७ सपमपगमगिमपम
पगमपधपमधमधमधनिमरमनिम

सधनिसधपमपगमोर अथसोरठील
छणम दोहा तीसोपंचमसुरहीनेओ
उडवरिषभविहीन अथसपहरपरसोर
ठीगावैवडेप्रवीन ३९ सवैया दासनि
तेदसकैउतिदेहकीउन्नतपीनउरोज
उठावे कानकेनीलसरोजनिसेअलि
गुंजसहैनेअतिहीसुषमाने सोहतहार
लियेअतिचाहसनीननविचारविचछन
जाने हासकियेपियपासचलीहरिव
लभसोरठीपेसेवाकाने अथत्रिवण
लछणम दोहा धैवतअसहमासग्रह
औउडवरिषभसुरहीन गमधामधहराग
नीत्रिवणाहेतनवीन ४० यथा गोरी
तेनसूछमवनीवैठीरंभाछांह हारेश्रे
मतिसहत्रिवणासमकोतुकांह ४१ त्रि
नेधपनिसनिधपधपगरिरिस अथपंच

सं
२१ लछनम् दोहा भूषनतीनमकारसो।
खांडवपंचमहीन प्रातसमैमगावतसभै
जिनकोबुद्धप्रवीन ४२ सवैया वाम्या
वनेहैगुलाबकेरंगठमोहैसिंगारसनो
हवहीसो लालविशालविलोचन
राजतिचंदलजाइरह्योसुवहीसो जो
वनजोतजैगोअंगअंगसुनेगातरंगति।
केरूपहीसो हरिवलभपवमसेउलिति
यामनमोहतगांधपुष्पनिहीसो ४३
अथपहाडीलछनम् दोहा अंगन्यास
ग्रहघरगासरओडवरिपमहीन नी
नपद्मपरस्वविकरैलीनेकरमेबीन ४४
यथा सवैया संदरअगस्ठानववीन
नमोहनसारीगुलालतेआली बीनब
जावेप्रवीनमहाअरुगावतहैतिपरैक
रताली मलयागिरमहाकंदंबकेमल

विराजतिबैठिलयेसंगग्राली अैसीपा
हाड़ीकहैहरिवल्लभरूपअनूपमफरीवि
शाली ४५ अथश्यामराग दोहा नीलो
हैसरीरजातेंअरुकाकलअभिराम मू
रछनापहिलेकहैंसंपूरणतनश्याम ६ ९
सवैया ग्रीवविशालललैसमनिमालख
भालमेंराजतकुंकुमटीको छीनलंक
विश्यामवटानकीश्यामवमोतनहैद्युति
कौनीको सोहतपीतदुकूलमहाद्युतिदे
खतकंचनलागतफीको हासविलास
कौजुवतीहरिवल्लभश्यामहेभावतीजी
को ४७ अथशुद्धबंगाललक्षनम दोहा
गौनसकारनसौंवनौसंपूरणपरमान
करनाटककेमेलमेंशुद्धबंगालाजान
यथा सवैया माथेराजेमणिमुकुटगो
रवरनपटपीत छोननिकुंडलकरकम।

सं लसंगवंधालियमीत ४९ अथसामंत
३२ लछनम दोहा षड्गग्रहांसकमासेहे
अपरहूरनेअग कारनाटककेमेलमे।
ननपटपेरंग ५० कुसमनकेमालागरे
धरेंमुकुटमनधीस थोमावनहिकहत
हैंपडितगुनजननईस ५१ अथनरकटोडी
दोहा नीनमकारनमेंवनोपरपूरणहे
जोत छायानाटकमेलमेयहटोडीहेदी
त ५२ यथा अंगनमेभूषनलसनतुर।
कानेकीरीत कहतनरकटोडीयहोप
येसुराकरप्रीत ५३ अथजेतसिरीलछ
णम दोहा षड्हरतिहैमासअरुसंसक
ग्रहोवनाइ जेतसिरीपरभातहीदेषीमे
लेगाइ ५४ दोहा आननिमेछटलाबनो
नाकलेंगाफूल जेतसिरीतनकुसमप
टउपजावैमावमल ५५ सगारिमगापम

गरिसपमपगरिस अथविभासलक्षन
म दोहा सवरिषभकेवसनतनकुंकु
मतिलककललाट सवापछांवेगोरत
नवपुविभासकोठाठ अथसारंग दोहा
पीतवसनतनसांवरेवाहुनेहुरवसकु
सांरगवारभुजनालयेगदशाखधनुवके ५०
दोहा भाषाहरिवलभरच्योसवसंगी
तकोसार तामेंसुरनभयोरागाध्या
यअपार ५८ इतिसंगीतदर्पणेरागाध्या
यःसमाप्तः अथमानकुतूहलभेदका
नरो दोहा शुद्धकानरोआदिदेभेदका
नरोपंच करहुतमतेसंगीतकेगुनजन
मानसपंच प्रथमकरनतेंगायकेशु
द्धकानरोएक भेदचारकेगाइयेताको
मनकरुविवेक १ वागेश्रीकानरो
दोहा जंहाधनासरीकानरोहोइमिल

सं
३३ 33

अभिराम होतु मिलकर राग इप वागेश्री
सुनाम ९१ अथ अडाना समझाना दोहा
मिले मलार हि कौं नरेन हां अडानो होइ
फरोदस्त अरु कानेरा कहत सुजानो सो
इ दोहा नेहा कानरो जेत मिर होतु सुर
सम भाग मंगल अष्टक सों कहो यहै सू
रिया राग ९३ इति पंच भेद कानरा अथ
पंच भेद कामोद दोहा पंच भेदन कामो
द के भिन्न राग संयोग नाम नाम ताके क
हो गावत सकृती लोग ९४ दोहा गौड़
विलावल के मिले होइ राग कामोद पं
च भांति सो तु कहो उपजे सुनत विनोद ९५
दोहा एक यहै कामोद न व गावे शुद्ध स
मत होइ शुद्ध कामोद नव नाम नर मन
भावेइन ९६ दोहा है कल्याण कामोद
सो जहां कल्यान कामोद सामंत हि मि

लह्रोइजोसोसामंतकमोद १९ कामो।
दहिजोगाइपंच्चरूपदरागसमेत तिल
कनामकामोदतवहोइसदासुविदेत ९८
इतिपंचभेदकामोदः दोहा नदेसमधु
माधीसरस्वतीकेदारीसमहोइ मिले
सकराभरनकेमालसिरीहैसोइ दोहा ९९
गोरमहूजेतसिरयहैधनासरीथंम थौ
लवारीदेशकरजेतसिरीनहिभ्रम २०
दोहा मिलैवारीजेतसिरदोउहरसम
तान गावतगुनीप्रसिद्धसबथौलसिरी
नहिभ्रांन २१ भीमपलासीललितकहु
देवासोमसभाग रामकलीरमनीयश्री
तिगावतउपजैराग २२ दोहा गोरश्रव
नोगोउग्रुतयहैगुणाकरीजान देसीदो
शीललिलमिलदेशकारपरमान दोहा २३
जितिहिजुनरीगाइपआसावरकेसाथ

सं गौडकरीसोजानवीभाषीगोरषनाथ ७४
३४ जितटोडीआसावरीरुपामवहूलंगधार
मिलेवरारीमूरछनाषट्रागनिषट्सार ७५
37 टोडी आसावरगुरुजरीभैरवदेवगं
धार चारमिलेवैराट्कागावनगुणी
जनार ७६ केदारोकल्याणकानरोमि।
लैवनश्रीरुपाम मेगलश्रष्टकनामति।
हिएावनगुनजनवाम ३ कंहूकल्यान।
कंहूकानरोकंहूकिदारोहीर कंहूक
लारकामोदकहूकंहूसारंगहमीर ७८
वागेश्वरीमिलाइपहारियाश्रीमधुमाध
केवलनटसोजानोपमूरछनाश्रुतिश्राध ८०
लेकटहूनमधुमाधवीकहूविलावल
श्रीन मिलेसंकराभरनकहूनारायण
नटजान ८१ कंभारीश्रकहपहारियाजित
टोडीइकठाव रागरागसोगाइयराजनरा

इनताव ८२ धौलश्रुहमधुमाधिपक
करगाईपथनासिरीकल्यानकमोदसि
लाईपकेदारीअरुहीरकानरोमिलैस
व उपजैनाटकदेवकहैवलदेवतव ८३
अथपंचमेदगौरी सिरीरागअरुमाल
वामिलेमनोहरनट गर्वभहारीकहत
हैगुनीकलावतभट ८४ गौरीबरूल
विभासकेसाथिलईसरतान अंमस्मा
मग्रहसथकेत्रिवणकहतसोजान ८५
गौरीमालवजोगतेरागछरवीहोइ रा
गरंगमवरुविकरैगावतहैसबकोइ ८६
जेहापहारीमारवोअरुवैनसमअम मा
मेमिलेधनासिरीहोइरागवउहेस ८७
नहाहुरवीगाइएगौरीपणमसमेत क
रोदसमोजानीपहोइअवनसवेहैन इ
दोहा त्रिवणपहारीमारवोतीनरागइ।

सं कठाउ सुरु शंकराभरन मिल राग सुर।
३५ सतीनाउ ८९ जहां विलावल गाइए।
35 केदारो सम भाग कहे संकराभरण सो
शंकर को ग्रनुमा राग ९० जहां पहारी
गाइए केदारो सम मनान लके दूरन सो
जानिए कल्याण परतुमान ९१ देवगि
री अरु पूरवी जित गोरी इ कठाउ गावरु
गुनी मिलाइ के राग करवीनाउ टोरा ९२
मालसिरी मल्लार सो मिले सुद्ध जब आइ
षंभावती सु जानिये कह्रो भरन रखुराइ ९३
देशी अरु आसावरी षटराग न के सग
श्रेयावली सु जानिये उपजावे रस रंग ९४
देशाकार टोरी मिले रवनी सुर सम भाग
गाइ ये ति रकु ति देश मे सदा वरारी राग ९५
मारू धोल धनासरी ककुभा रीप चार प
के सुर के गाइए पट मंजरी विचार ९६ मा

माइकेदारोमिलैजैतसिरीअहसिहु हेंदो
रागमहनानिधिगावतकेसवबुद्ध १८ दोहा
जितसेरीअहकानरोआधोआधोहोइ
सिरीरागसारंगमिलटंककहावैसोइ १८
मूहैंमिलेमलारसोंकेदारोसमभाग
नागलोरमोहनधरैनागदमनसोराग ११
दोहा देशाकारकल्याणसोंमिलेपूजरी
सांम सदापिधारीकाहूकोकहैंपूरी
रीनाम १९ नहंसकराभरनसोंमिलै
सोरठीनाइ रागरंभमंगलकहैंमिलेश्र
उनैसाइ २० वेगालाअहपूजरीजितप
वमंगधार होइभैरवीकेमिलैसोरठको
अवतार २१ श्रीरागमिलावमिलैजहांम
नोहरहोइ नारनभाखोभरथपैराजहंस
हैसोइ २२ इतिसंगीतदर्पणे अष्टआ
लापकक: दोहा आलापकअकगामक

मं हूवहैगीतनकैअंग देवअंग्रवग्रवकहत।
३६ हैचित्तमैउपजैजोरंग ४ दोहा प्रकटकरैजो
36 रागकोआलापनकहिताहि तामेंरूपक
हैइनहिगुनजनकहतजुवाहि ५ रागरै
जासरहिमैस्थाईताकोजान तातैचौथे
सुरहिमैंचहुंभागमतमान ६ ताकेनीचे
सुरनिकेप्रथमैकरसंयोग स्थानप्रथ
मताकोकहैपरमगुननेलोग ७ चहुंसु
रहितैचालकरस्थाईमलैगाव ताकोगु
नजनकहतहैस्थानदूसरोभाव ८ थाईं
सुरतेआवपताकोउगनवषान चहुंदि
गनकेबीचजेतेअंहैस्थितमान ९ अंहै
स्थितसुरचारकेथाईमैकरमास थान
तीसरोकहतहैंपंडितकरतविलास १०
दोयगणआदितैचालकरस्थाईमैसमसौ।
न तासोंचौथोथानकहिचितमैहितदि।

बीन १२ पईचाहीयोग्यानहैउनतेहोतमुला
प यहविधजोहैमैकहीरिषनारदकोहै
श्राप १३ रूपकश्रालापनहिविधकहत
गुहैसबकोउ प्रतिग्रहणाकहप्रथमहै
श्रौरभंजनीहोइ करश्रालापनठाउकेहै
पकंश्रगनिलेइ प्रतिग्रहणीमोसबक
हैसबभांतिनिसावदेउ १४ भंजनकोहि
विधकहैसुनजनसबैवनाइ गईभंजनी
पकहैरूपभंजनीभाइ १५ रूपकदपरूप
कहिवेठेरूपकठाइ विविधभांतकरहो
उथहठाइभंजनीभाइ १६ नेमकहनथा
कोसबैजेगाइनपरवीन गावतमतभेद
निवेंकाहूभांतनिहीन १७ बरनश्रलंका
रनिबनोलोनगमकश्रविचित्र भांतिभां
तिश्रालापमैबडरबनोरविमित्र १८ स्था
केपनकोगमककहिजाहिसबैसावहोइ

सं दसपांचभेदनकहैसकलगुनीजनलो
३० ग २० लखचौरहूकेपावदसमगामकगहो
37 इअनूप ३तकेचौथेअंसमकरवहितिरप
कोरूप ३तिकेतीजेअंसमकरहोइअकारि
केभाइ ३तिकेआधेवेगाकरकापितवा
मकवनाइ ३तिप्रमानलेहोतदेनामगा
मकोलीन आदेलेतलवकेपनेहोइक
हैतुप्रवीन २३ विविधवक्रताशीवेता।
होइहियनवेआइ तागमकहिवलिका।
हितहैगुणजनमवेवनाइ थानतीमरो
होइबनअैनरकोविश्राम कहैनामघा
कोमवेहैविभिन्नअभिराम २४ वलिके
लखनहोतमवअरूअंथनगुनतहोइ को
मललागेकंटमेकुकरहलकहैसवकोइ
अगलेसरकोलागकेजोफिरआवतनि २५
जवितमिल आततिताकोकहतहैजान

लेहुनिहृचित्त २६ अगिलेअगिलेसुर
निकोचलनविचित्रगतिमान उल्लासिता।
नाकोकहैयहरूपनियमैजान २७ के
पनपलटनपरिमाननमेंलखनवितकहि
नारद अंतसदरहकारमोंऽफितकहै
मगारह २८ दोहा अवंमुहैजोहोतहैम
हितताकोंजान होइअवापसुरनके
नामितताकोंमान २९ भेदबहुतजव
होमिलेनामहोइयारीत भिन्नितसब
गुणजनकहैकरवितहीमेप्रीत ३० ३
तिहागअलापकेसमासम गमकअग
लैहोतहैगाधाकाहीमार गमबढना।
कोमकचतैसैनहिकहैवढार ३१ मग
टहोइअभ्यासविअथनेमेगगसरूप म
सारीरताकोकहैजिनकीशुद्धसरूप ३२
सुरकेआलापनकरनकाइनहिपगटार

सं
३८ श्रवहोइचितनहिंरुचैग्रहसोंरंगगनाइ ३३
विस्तारताग्रहकाकहारहेनथानकोभ
ग. कुसकर्कसलोगमननतपोमेकछु
नरंग ३४ जिनमैंहृपनतपमैवैग्रीतिक
रेउद्योत गुणज्ञननाकोकहतहैंकुसा
गैगवैहोत ३५ तपग्रहविद्याहानकरइग्र
हगौरीपतिसैर वक्रतभाग्यकेफलन
नैसमारेकोलेइ ३६ छंद श्रवहेंकरो
लछनगाइके जेममनैसमरभाइनके ३०
तालहलापजाकेकलाग्रामरागकेभे
व तानाइनकोकहतहैंजकप्रतिधा
देव ३७ छंद समारीरगाइनजोहोइ
निरदोषोसाविदातासोइ गहहमोहमहो
इविचछन जानैराजादिककेलछन
गीतप्रबंधननोकेजानै विधग्रालाप
नभांतिवखानै सबागमकनिमेचितगति

होइ स्यामतीनपहिंचामेजोइ ३८ काया
लगाश्रुतभूतकोजानेसिंगारीरीत ससा
रीरगाइनकहेंपढिनमतिसंगीत ३९ गा
यनमेजेहोतहैदोषवीसश्रुतपांच तिन
केलछनहैंकहेमानलेऊतुमसांच ४०
होततिसोहातति″″सेसोमंदषहिजान
विरसकरैजोरागमेसोइदककरमान ४१
सीतकारगावतकरैसीतकारकहिवाहि
गावैभयसंजुगतजोभीतकहैसवताहि ४२
दोहा गालफुलावैगानमेंकहैतवाको
नाहि गावैवक्रजोमुखकरैवक्रीजानो।
वाहि ४३ गानपसारेगानमेंकहैनपसारी
सोइ श्रावमूढगाइहिकरैवहैनिमीलित
होइ ४४ दोहा जोगावतउपजैनसुरसोइ
प्रथमवषान गावैतोवर्जितसुरहिसोइ
अपरसुरमान ४५ प्रगटहोतश्रुतिसुरनाहीं

सं
३९
39

जाकंगावतमीत तांकोकहैंअवमकम्न।
चितमैहैनहिचीत ४८ दोहा ध्यानतीनगा
वेनहीनभ्रष्टकेकहिंनाहि गीतविचछन
करतहैअथमनिमेकरिवाहि ४० दोहा
सहुछायालगमिलेकरनजकोउगान
मिश्रकलाहीकोकहतनवेस्नुमहाउनमा
न ४८ दोहा गावैजोगाइनमदानासास
रसांध्यान मानसोंननासिककहैताको।
वेतरवषान ४९ इतिगायनभाषा: छंद
पांचभांतिगाइनजेकहै तिनकेभेदसवेमे
लैहै सिछाकारऔरअनुकार रसिकक
हैसनयोनिरधार अरुमानकंपवसगुनि।
हार लछनिकहतगनीजननलाइ सिखप
सकलसीसकरिलेइ सिखाकारसवकु
सवेदेइ ५० दोहा छायाकारहुऔरकोलेत
बुद्धवलवान सोअनुरागावसोचतुरकहैगु

नीजनन्हान ५१ छंद रसपरिहरणगाइ
नजोहि सोइरसिकनामलैसोहि ईनक
कैरगानकरजनको सोईजकताथ
कमनको ५२ पुनगाइनहितीनविधय
थमहिपकलनाउ जामलहूरगाइन
वक्रलवनकहोसकंठाउ ५३ जोग्रापहि
गावैसदापकलकहियेताहि जोगावै
मिलंइननोजमलजाननेवाहि ५४ क
हियेगायनहूदसोजोगावैमिलनहू ३१
रुजोवनमधुरनापउनग्रथिकसमूह ५५
वाकोगेयकारककहितहि ग्पानप्रव।
थकरतजोग्राहि कोककाव्यबाकरा।
नप्रवीन अलंकारग्रकछन्दनवीन ५६
रसभावकजोजाकोग्रान सर्वदेशाति
नकोउनमान लयग्रहतालकलाको
जाने विविधगीतसंगीतवषाने जीते

सं
४.

40

सभाहुप्रतिभाहोइ बुद्धप्रवीनकहैंसब
कोइ रागद्वेषकेकरनिर्मान नईशक्ति
कौंकरैवषान वेगहिगोतनंकरकोरचै
पाटंतरकोनीकेसचै इतनेगुनसंयुत
नोहोइ वाकोग्रंथकारककहिसोइ ५
याग्रंथनावैसारसविधमानरहैकछुहो
न ताकोमध्यमकहतहैजिनकोबुद्ध
प्रवीन ५८ भाषाहरिवल्लभरच्योसबसं
गीतकोसार तामेंसंपूरणभयोपाको
रविस्तार ५९ इतिहरिवल्लभकृतसारे
प्रकीरणकाध्यसंपूर्णम दोहा रागरा
गनिकमैंकहेबहुविधसंवनाइ ल
छनगीतनकोकहेंअवहोचितकेचाइ
गीतकहैंद्वैभांतकेप्रथमहिवरटरिनान
दूजेकहिअनिवद्धकोमनतेमोरटनिमां
न २ वाकोग्रंथकारककहैमेलनग्रंथ

नवाति थातंअगमोहैवछोवैहैनिवहैव
थान ३ आलापनअनवहैहैपहिलेकहो
सनाइ कहिप्रबंधकेअंककोथातसमे
दसभाइ ४ दोहा प्रथमभेदउद्ग्राहहैमे
लापककुनिहोइ ध्रुवतीजोआभोगहै
चौथोजानतहोइ ५ मध्यहिध्रुवआभो
गकोअंतरकहतविचार सवैगुनीजन
केमतेयहजानोनिरधार ६ मागलसु
रस्वरूपमेंअंतरहोजवआइ औरहोरहै
नहिंकहूंमेयहकहोवनाइ ७ तीनभा
तआवधकेकहतगुनीजनलोइ वहुर
थातविथातअरुद्विथातवहुरथोंभाइ ८
दोहा होतनाहिनकहूदोउमेलापरआ
भोग भेदपाईमेंकहूंचारथातसंयोग ९
चौपाई होहिप्रबंधहिकेषटअंग नामक
होतिनकेकारंग छाअरुविरुदअोरप

सं
४।
91

हुजान तेनकृतालपाटपुनमान तेनरुप
दहोहैजेन पाटविरुदकारहैसुवदेन स
स्वरुतालवरनउनमान कैहैप्रबंधहिपु
रुषसमान ९ तेनसबदकोतेनककहै
नोकोकहिसुनमंगललहै आश्रयप्रका
शकपदपुनहोइ वाटवाहिवरननकों
नोइ वरननघहप्रबिरदविशाल च
वतपुरुहिआदिकहिताल सरिगमआ
दिकसरहिवखान इनकौंइनकोगैवा
हियान जातप्रबंधनकौहैपांच तिनको
नामकहतहैंसाच ॥ सालगछंद भेद
नोअंगछुहनकोअरबाटनौअंगवान दी
पनीअंगचारकिधोकहनसकलसुजा
न पावनौअंगतीनकीतारावलीअंगदे
इ भेदसुनकेमैकहैजाननसकलसुवि
लोइ छंद भेदजुगलसुआहैसुरपक

श्रोनिरगुन्क लक्षनसहअबहैंकहतहैंजे
ग्रंथमैंहेगुन्क १३ दोहा छंद नालकोन
मनहरसोनिरगुन्कबखान जेहतालादि
कनैगुनहिंअनिर्गुनकसोमान चौपई १ ४
अबहैंकहैंवरनगननरीत धरेगोनमेंचि
नकरप्रीत छपै मगनतीनगुरुभोमस
कलसुखबिसपतिदायक भगनआदिल
घुसदाचंदकारीजलनायक रगनमध्य
लघुहैरअनलपतिमरणहिसिज्ञल स
गनअंतगुरुकहैपवनश्टहसुखबिथितसि
जर सुखबिमदिधनासैधनहिनगनअंत।
लघुदोहा गुरुमध्यजगनरविसोदुखवैकौ
रतआवलघुजोयेर १५ दोहा भगनआदिगु
रुंदुभमगलकारीनित नीनलघुनं
कोनगनहैनायकबुधकौकृत सोरठा
चवगीओरवानटवगैवर्जनसुखबिहोतहै

सं पैरनकरनवखानवर्णभेदरमजानिये । ८
४२ सोरठा आदिअवर्गविशेषहजोहेउकव
42 र्गेषन अतिपशाकारीलेखिसंपतआवेल
बडुकरै १९ दोहा नवर्गकीरनविस्तारहै
पवर्गमरसहेहेर सनफलहितवरगाक
खिरगआपमेलेइ उत्तनजाकोकीजि
येताकीपफलदेह करहिविचारकवि
नकोसहखिसंपतिलेह २० चौपई औरो
कछुविशेषवखानो ताकोफलतमश्र
मैजानो धननाशकसवकहेनकार
सखिश्रकीरतहेहेहकार हरकेरमवक
क्षमकार उनकोआदितजोनिरधार २१
दोहा तीनवरनउद्याहहैमेनगारतजोनि
रधार अंतरसोतालननतजोकरकेवित
विचार २२ दोहा आभोगऊमेंछाडियेह
टकतीनपश्चक जेप्रबन्धमेनिपुनहैंक

हतसैवेजुनिसंक २३ कहिदकाराउदग्रा।
हमैअंग्रतरमाहिभकार पुनतकारअग्राभोग
मैथनहातानिरधार २४ विप्रकहैजुकव
गीकोचटकोंहत्रीजान वैप्रपनवगीपव
गीहैयशकोश्रूद्रवाखान २५ आठोजान।
प्रबंधकोशुद्रसूद्रतेजान तिनसबहिन
केअबहिमेनामगिनोंउआन २६ प्रथमै
भेलाज्ञानिधेहूजेकरणप्रकाश तीनेक
हिठिकोवक्रचौथेवतनिआस छंद २७
वक्रपांचपकेंवइनाउ लबप्रबंधहिठ
ठयेठाउ रासमानधेवक्रगनाउ दोहा २८
पेलाकेप्रथमेचरणकहिहैंविरवनाउ
रहविधलंबप्रबंधकोपरिनकहितजेना
उ एकवचनवक्रोकरोजाकोनाउश्रेयो
ग पलवपदपुनतीनकरकेहैसकलक
विलोग ३० छंद तांमैहोइविलंबितठोउ

सं तीनेउनिपरिमानहिजोरइ गानकरोसम।
४३ धातवनाइ इनतीनोकोहूयहूभाइ ३ह्वि
43 यपांचवरणकहिओर सजियोहूनेतक
कीठोर ३१ दोहा हैंसबादकपदनको
तीनेतकमैमीत केवलपदतूपकक
रचितमैहैनिहचीत ३२ ग्यारहपदउक्ता
हैमैयोहीकहैकविलोइ रविप्रयोगप
दवकातसोमेलापकहोइ ३३ रचनाव
रणवर्तथकीवक्रोरचिचितचाइ विहि
नितकरप्रभनामैसप्रथमतीनतकगा
इ ३४ मध्यविलंबितमानसौंताकोध्र
वकरजान पकेधातकरउगालपदपक
धातइकगान ३५ पकचरणआभोगकी
वैथीवकरोठान भूषतकरनिजनाम
मैतानगानवक्रवान ३६ गानहिकरा
ध्रवमासकरमोपलाविथहोइ पलाल

छनपैाकछूकहैचतरकविलोइ ३७ मे
उदुतिथकंकालप्रततालनमैकोउपक
कोजेपलाश्रवंथमैचितमैकरसहावटेके ३८
सदरताश्रफरूरतागपानदानसनमान
थोरवीरतापसवैवरनकरोग्रनगान ३९
इतिपला अथकरणम दोहा रविउग्र
हकफबकोनिविडिसरनिमैश्रान पद
मोंकरस्राभोगकोविनवनराईजान ४०
पकविनाथकनामधरयामैविविधवि
लास ग्रहकरिंविछिनसरलिमैमासग्र
शामप्रकाश ४१ दुतलयमैकरिंगानसो
लैकेराशिकताल लछनघहसबवेक
रनकोपंडितकहतरसाल ४२ सरसो।
करउग्रहग्रफरहसतपाठफवहान पदसो
करस्राभोगतपाटकरनपेंजान ४३
हैभांतनयाकोकहैसवग्रकहोसप्रका

सं इ उलटथैरस्रपाटकौंसोईहजोभाइ ४४
४४ उद्घटिकस्वरासोकैगुरजनपाटफवसाज
44 वधकरणनाकोंकहैसबसंगीतविदराज ४५
स्वरसोंकरिउद्घटतफवहिविरदसोवान
रविपदसोंआभोगकोविरुदकरतंमान ४६
दोहा साजस्वरनिरउद्घटपुनतेनकसोयु
नहोइ तेनकरनयाकोकहैसबकविप
तिलोइ ४७ विरुकारनस्वरपाटकोले
उद्घटवनाइ गरजवरनश्रुपदनलेफ
वकहिहिवितचाइ ४८ सहपाटहतेन
कमिलेउद्घटश्रुफवहोहि मिश्रकर
णयाकोकहैजेजाननयागोहि ४९ रव
नोहैआभोगकीपदहीसोसबठोर ज्ञा
नभेदसोंहोतहैभेदइनतिश्रोर ५० कहेउ
नवकरणमेतेपुनत्रिविधवखान प्रथम
मंगलांगफनआनंदवर्द्धनमान ५१ की

रतिलहरीतीसरीकहैउनीजनरंइपा भेद
हैतहैपमेवेवनेमानप्रह्नवीम ५२ गान
करनउह्राहकैंपहिलेहीद्वैवार गावैध्रुव
आभोगकोएकवारनिरधार ५३ वहुधे
ध्रुवआभोगकोगावेलछनजान येहैमे
गलंरागहैनिजचितमेंतहांन ५४ उह्राहअ
रुध्रुवगाइयेप्रथमभांतजियजान ध्रुव
केउनरंखंडकोगानवहुरतहांन ५५ गा
इवहुरइकवारतआभोगध्रुवउह्राह आ
नंदवढैननामहैयहैकहतकविनाह ५६
खंडउतियउह्राहकोध्रुवकोखंडकोठौर
गाइरीतसबपहिलेयेकीरतलहरीओर ५०
इतिकरणम् अथछंदको हेरा प्रथमखं
डउदग्राहकोंगावहुद्वैवार गाइहमेरोखंड
पुनएकवारनिरधार ५८ मेलापकतामें
नंहीहोइतोगाइयताल लघोविलंवितअ

मे यकैठेकीकंकाल ८१ फवआभोगप।
४८ गाइयेऔरतालल्यआन तीनविरफव
कीहिनहेसमथालवधान ८० इतीया।
विरमरदवकरिवारहैकपुनगाइ एकवा
आभोगकेआछेसरिहिवनाइ वहरीधुव
मैसामकरगीतसमापतिलोइ लछनठे
कीगीतकेकहैसेवकविलोइ ८२ इतिठे
की अथवर्तिनी दोहा जोलछनसरकर
नैमैसोसबतिनमैंजान गसकतालहि।
छोडिकैऔरतालमैठान ८३ औरविल।
वितलयकरीगृहहैवारहिगाइ एकवारआ
भोगकोफवमैसासवनाइ ८४ कंकाल
रूपतितालप्रतिमठकुरूकमैहोइ इनमैजो
रवनाकैरवहैवर्तिनीहोइ ८५ इतिवर्तिनी
अथकोवर दोहा बारबारजोगाइयेग्रह।
कोधूवंविर एकबारजोगाइयेग्रहकोधू

रवंतेउ एकवारउन्नरग्ररधगाइकरोउखिंतेउ ९९
मेलापककीग्रटकनहिजोरहोइनदिहोइ
गाइअवकहैवारकूनियोजकहतसवकोइ ९१
गाइस्राभोगदिहिवारहैअवहोमेसास सव
चतरनमिलयोकियोकमरगीतप्रकाश ९८
त्रिपुटहितप्रतिंमउइकतालीगीरहगिरास
ग्रडुतालजतिलग्रकरिइनमेगान तीनस
हसहंपासमेग्रहदशांसख्योहोइ कूमणि
रहिकीकहैवेचतरकविलोइ १० इति
कूमरवंधः ग्रथलंभः दोहा खिउपकको
खिउहैहोतजहांग्रहस्राइ एकवारहैवारा
कैंगांनकरेचितचाइ वहूरोअवकोगाइ
एस्राभोगदिहैगाइ नामसहोइअवमेवदूर
ग्रैसेलंभवनाइ १२ इतिलंभ ग्रथरास दो
हा लक्षनजेउकूमरकेतेरासकमेहोहि
रासतालमेगाइएनठामकनितजयागोहि १३

सं
४९ 46

इति राग अथ एकताली दोहा ग्रहछफवक।
हियेवार है वक्ररगाइ छफवभोग नाम छफवक
मै होत है यौ इकतालीयोग १४ अथ सरुफ
म अथ लिमप्रबन्धे दोहा वर्णवर्ण स्वराग
यश्रुरुक हिकैवाउ वावान संकचारनौ कर
पुन गराली लकौं जान १५ गजलीलाव
ह्रोकहीवक्रवाल पुनहोइ वहकौ न्द्रपकु
वक्रह्लाम सार्थ नहिजोइ १६ कहै वक्र रधु
न करनौ आर्या गाथा नाम हिपष्ठरुक
लंह्सकवक्र ग्रातौ ढकरमथाम ३ बट
ह्वनकहिमात्रकौ रागकदैवकमीत क
हैं पांच जाती स्वर हि तालसमेट फ़ुन गीत २८
आलिनाम इनि सबनिकौ कहै सकल स्व।
तान विष्रकीरननि ग्रवकहै तिनकौ पहे
प्रमान १९ छंद श्रीराग श्रीविलास वैषान
पुनपंचमं गीहे मोदमान पवाननउमाति

लकछनकहैंछिपदचतुःपदछदपद्धगाहै
दोहा वस्तुमंगाग्रह्वविजयमुनित्रिपथ्यव
नमुखहोइ सिंहलीलवक्रतोंकहैंहेमली
लघुनजोइ ८१ दंडकफंपककहेकोग्री
रत्रिभंगीनाउ हरिविलासमहदर्पणनोवक्र
रमणाकमठाउ ८२ श्रीवर्द्धनवक्रतोकहै
हंषवर्द्धनहिगाइ वदनचद्द्रीश्रोरहैचवी
नृथ्याभाइ ८३ पद्धरिराउहिछनकहैंवी
राश्रीहिगानाइ वक्रमंगलावारहैयव
लप्रबंधवनाइ ८४ मंगलउवीरहैवक्र।
लोलीछोलापद नंदीमिलछ्वीपकहै
मवेरमगोह ८५ इतिअर्कीविक्रमः अथ
मालगाकेनाम चोपई अवमालगाकेना
मनतूहन ध्रुवहमंदप्रतिमछोहैछन
निःमारकवक्रवोहैमीत अडुतालहैमर
मसगीत रामपकनालहिकातेमें कहै

सं
५० मातपमालगापेमे ८८ दोहा पसबमिल
पहातहैसतरहूपन्नरूपांच इनमेपपर
सिद्धहैतिननिवषानोंसांच ८० भाषा
लैकरनाटकीविकृटवर्णाश्रहताल इ
नमोरचनाहोइसोवाणप्रबंधरमाल ६
इतिवाणप्रबंधः दोहा स्वरपाटहतीन।
मैंनिजइच्छाविमीत तेनकहीमैमास
करवर्णाखरहिकरिगीत ८९ छंदहीन
पटनहकोंगायकहैसबहोइ ताकेभेद
अनेकहैऔरग्रम्थतेजोइ ९० इतिवर्णह
र दोहा पाटअर्थजुतहोइअर्थनहीसो
हीन इनमेंगहकवकोजियेपेसेकरहत
प्रवीन ९१ मासहोइउन्नाहमेयोकेवाउ
वषान शुद्धमिश्रकेभेदतेवऊरचतजवि
धमान ९२ इतिकेवाउ दोहा जोपदपा
छिलेकीजियेसोईआगोहोइ जमकर

वनकीभांतमैंवक्रचलैतुजाइ १२ हैवि
धताकोकहतहैगद्यपद्यकेभेद दूराकर
नजोछिनकमैंस्वरतहिजियमैविद १४
ग्रथ्रकोञ्चपद दोहा स्वरमोकरउद्वारहु
कैपदमोध्रुवहिवनाइ स्वरमैबहुरोमा
मकरप्रतितालहिमैगाइ १५ छंद कौंच
पदनामजोतामैयाकोवान कैतुछंदहि
हीनकरयहैकौंचपदजान १६ ग्रथस्व
रार्थ दोहा स्वरवर्णनमोपाइयेवांछित
ग्रर्थवनाइ स्वरार्थताहिवषानियेताके।
हैद्वैभाइ केवलस्वरसोंशुद्धकरमिश्रव
र्णमिलहोत एकादिकस्वरभेदकरसत
भांतनउपोत १८ क्रमनक्रमहीकेकर
नवहुतभेदविस्तार मामकरोउदग्रारहु
मेवाकोयहैविचार १९ इतिस्वरार्थ दोहा
स्वरभाषाग्रकतालमिलमारगरवदिग्र

होइ तालसदेशीवचननतेप्रकृतिमानुषी।
होइ १० हैभाषाप्रकृतालहैजिहिमिलेइ
कठोर कहैकवीसरहोतनहैदिव्यमानुषी
श्रोर १ अथमालरछंद गद्यकरजोकी।
जियेअनवधताहिबखान पद्यरचनाहो
इजहअतिनिवद्धहिमान २ सकलमेत्र
सहूपहैयहकहतगनजनलोइ सिद्धल
तासकलकोयहमात्रकाफनहोइ ३ इ
तिमात्रका अथरागमकवध दोहा चार
हूतरचनारचौंतिनमैतरलोवार भिन्न
रागपतिहूतमैपदअर्थैनिरधार ४ ता
लजुहैजाहूतमेंसोहैरागवनाइ याको
निघावर्तकरककहैगुनीजनभाइ ५ इति
निघावति दोहा कोउपसेकहतहैघा।
हिगद्यमैसाज पकतालमैगाइयेयावि
धरहैविराज ६ रागतालपानेहियुनस

क्लिकहीमैंहोहि चारभेदयाकेकहतजे
जानतथागोहि अङ्गपद्मप्रथमेंकहैं अ
ङ्गाभेकुनलेव तीजेश्रामरकहतहै आ
श्रितपुनदूव ८ एकपतेहैपद्धिगण
गगतालसोजान कोउसक्लिकहीकहै
अङ्गपद्मगतिमान ९ तालविनाश्रालाप
करपद्धिलेहींनूमान हैहैचवसटताल
मेपटपंवककरागीत १० गाइवकुरपा
तालमैसरश्रुरूपाटवनाइ पटहूंपाटले
श्रतरहैहैहैचचसटगाइ ११ वकुरंपवपट
गाइयेचावपुटहिमेश्राव वकुरोयाहीं
पाटमेंसरश्रुततालनिवान १२ जुगल
चावपुटसोवकुरऊकपाटविस्तार
अंतरहीकोगाइयेवितवतुराईधार १२
तालहिषटपितपुत्रमेगाइपांचपटश्रोर
वारहैकपुनपाटसरलेपातालहिश्रोर

सं
४९
49

बहुर्यौपाहीतालमैसबविपाटकेसंग अं
तरकोतृगानकरिचितमैकरकेरंग १५
चौपाई बहुरवोषटपदगाइसाल सं
पकेकाहृधरिताल याहीमैसरपाट।
निगाइ चितहीमैकरिकैबहुवाइ १६
दोहा कोस्पतालकेपाटलैगाइबहुर
करगीत अंतरकोंघोकरहतहैपरितथा
कीरीत १७ बहुरतालउद्घटलैषटपद
कोकरगान सरहूपाटउनिगाइपपैसे
कहैसुजान १८ तालपाटहैआनकेस
रजपाटकेसाथ अंतरकोकरगानउ।
निकहैगीतविडनाथ १९ डुर्धहष्टिसों।
गाइयेडुतलयमैआभोग कविप्रबंध।
केनामधरिपाहीकेसंयोग २० डुर्धहष्।
ष्टिकेपदनिमैप्रभुकेनामहिधार तेन
कहूकोगानकरमासअलापविचार २१

छेद पंचतालीसरहियोवतावेउनो
सनतमाहेसवेसमसतनमुनी २२ दोहा
हेभांतभनहोतयहवीरसिंगाररहियार क
हतवीरग्रोतारुयरुतिलकसंगारवता
र २३ सकलसिद्धिदातावडेसवहनि।
कौनिधीर ग्रानंदपावेदेवसबसनघा
कोविस्तार २४ इतिपंचताल दोहा व
रुतालनमोकीजियेतालार्णवकी
रीत हेविधवरुरघोहोइयहरागधपद्य
कीनीत २५ इतितालार्णव चौपाई
रागतालयामेहेवार रच्योवेउगनिसों
निरधार बरुरसमापतिपदमेहोइ श्री
रंगतालकहेसबकोइ २६ इतिश्रीरंग
चौपाई पंचरागतालनमेरविधे ग्राछी
भांतग्रघटनिसविधे सरनिसमापति
मेतहग्रान सिरीविलासनामयोनान २०

सं ५०

50

इतिश्रीविलासमंसहर्णाम तालग्रहणएकं
चपरिमान कहोममापतितिनकोंगान
हैरग्रंथउसवैसममान पंचभंगयेंक
हूतसजान २८ इतिपंचभंग तालराजा
मैठैराजे जाकेंग्रदरपदठैख्याजे पंचान
नयाकोकविकहै वहमोदनमनहीमैं
लहै २९ इतिपंचानन चौपई तीनराग
श्रुतीनोताल होहिंग्रतमेविरदरमाल
ग्रगाबहोयामेपुनहोइ उमातिलकहो
तहैसोइ इतिउमातिलक दोहा विजै
तालमैगाइयेप्रभकोविजयवखान
तेनकपदस्वरपाटमिलग्रालीरचना।
ग्रान ३१ छंद तिनकहैसोमामासोहोइ
विजैप्रबंधकहैसबकोइ इतिविजैप्र।
बंध दोहा स्वरपाटहूपदतीनमिलचार
चरणक्रमजान मामसहोइएहमैवद्धर

धरैरवतनुंभुवमान ३५ छंद स्वरग्रहपाट।
विरुद्धग्रहतेन रवनाथाकीग्रतिसवदेन
सिंहलीलतालहिमैगाइ सिंहलीलयीकन
मवनाइ छंद चारणदोइपटपाठनिठान
हंसलीलतालीछनग्रान हंसलीलहैया
कोनाम सुनतहिउपजैवडुसुखथांम ३५
इतिहंसलील छंद पटग्रहपाटविरुद्धसि
लकरिय नामप्रबंधहिकंडकधरिय कैं
इतिकंडुक छंद स्वरग्रहपाटपदनैसोहे
इ नामत्रिभंगकहैसबकोइ चारभांतक
रिपाकोरचै प्रथमत्रिभंगीतालहिसचै ३६
छंदत्रिभंगीहिंमैग्रावै तालहूरागतीनमै
ठावै तीनहूतिमैकैनठान ब्रह्मविलसि
वकीसुतिमान ३७ इतित्रिभंगी चारवा
छंद पटविरुदपाटहूतिनकेसंग ह्वैवि
लासरचैचतुरैकररंग ३८ दोहा विरुदप

सं दुहमिलतेनसोंहोइमदरसहिनिंनाम स
५१ बसगीतविउथीकहेहूअतिहीअभिराम ३९
51 दोहा उग्राहादिकतीनतेंपदसुरविरहू
निवान पकहूहैत्रयतालपुनक्रमहो
तेतितगान ४० मामसुरहिमोकोजि
येनाइसहोइसंक्रु याकोलछनयोक
हूँपस्तिहैजुनिसक ४१ दोहा विरुदपाट
पदसुरमिलेरवकरकीजेंगान तालमा
नहैमासकरश्रीवर्द्धनयोमान दोहा ४२
पदहूविरुदसुरपाटमिलेरूपीवहैहिजार
वंदविरदपदहेतहैवीराश्रीसुखकार ४३
पदकेअंतरदोहरारचियेभाषालाट ना
उछोलरीहोइसोगावतसुरगसहगाढ ४४
दोहा कैथानहीआभोगजहूतहापदनि
केयोग सवंसगीतविउथीकहेकीजेस
भगाअभोग ४५ प्रथमहिकरअरुवरदै

एकथानरचगाइ एकंखिउकुसखोरंनह
कल्लुडुचेसरभाइ ४६ छंद खिंउतीनप
करिहैनार पुनहैखिउभेदनिरधार ४७
दोहा नामैपहिलेखिउकैकरहैखिउबा।
नाइ एकथानपगाइएकरवितमेवह
वाइ ४८ वकुरहमरोखिउमेडुचेसरकर
गान प्रभकोनामबखानिपधामेकहै
सजान ४९ ग्रहकैपहिलेखिउमेग्रनफ
वैमेमास मोरहधाकेभेदहैतेसबकरो
प्रगास ५० श्रादतालछगारसखिउवर
णविधचंद श्रैमरवैजयंतकोवाठेधन
श्रानंद ५१ छंद वारहवर्णभिंखिउवनाइ
लैनिःसारकतालहिगाइ वीरमहीमेश
खिरनाम देइमोदब्रजवकुसखिधाम ते
नरहश्रछखिउविचार करप्रतिमंगाता।
लविस्तार हामरसहिमेकोजेगान नाम

सं कहैउत्साहरसजान मनमध्वरअरुरसहि
५२ सिंगार कोउनतालहिकरविस्तार नाम
 निमैलप्रवंधरहोइ पैमैंकहैसकलक
विलोइ कलावतालबशेखरताल कु
तलअरुकुनरम्निकरिसाल मनदसवर
णनकमलवनाइ कंपकतालवियो
गहिभाइ वकूदसवर्णवीररसग्यान
तालनिसारचाहकोजान उनईवर्णवीर
सिंगार कहिनंदनइकतालकीतार वीस
वर्णताकोप्रतिमठ वंदशेखरहिगाउ सु
कंठ वीरसिंगारहासरसग्यान मनवां
छितफलकोयहदान तालग्यानप्रतिम
ठविचार इकइकवरणविउविस्तार र
ससिंगारकामदनानाम वांछितकोदा
ताअभिराम वाइसअछरअरुरसहास
उतियतालमैविछ्यप्रगास तेइसअछर

कोपदहोइ हासिंगारकहैनरसोइ ग्रा
दितालमैमगावैलोग धातुहहोनिदानि
सबभोग चौविसवर्णविकौइताल
वीरसिंगारहिचिरमाल जयमंगलहै
याकोनाम सबसपतिदाताग्रभिराम
एकतालकाकीजेताल दातादेवरूध
नमणिमाल अतिमंदहिमैछवीसवर्ण
ललितसनतउपजेसबकर्ण रसिं
गारमैनीकेहान यहहैसबसंपतिको
दान वर्णनियमसबवनमनकीजे के
हैआधिवरणमेदीजे ५२ इतिजयंतादि
षोडशप्रबंधः दोहा उद्ग्राहहिकेखंडमे
होतजुहैविश्राम ध्रुवकेकरहैखंडउपन
अंतरविकलपनाम ५३ ताहिगाइफुनि
गाइयेएकवारआभोग मंठतालमैमंठ
करमासहिध्रुवसंयोग ५४ षटप्रकार

सं
५३
53

कोहोतहैतालभेदकोभाइ वीरसहि
मैजगनसोंहोइजपत्रिपञ्चाइ रससिंगा
रसोंभगनसोंहोतजुमंगलताल संट
रविधानजगनसोंरससिंगाररसाल ४९
रविकलापकोंनगनसोंविरामातरस
हास विरामातदुतजुगललघुअद्भुत
कमलप्रगास ५० इतिषट्प्रकीर्णिका
मठप्रबंधः छंद लछनजेमंठहिकेहैंसब
तेईप्रतिमंठहिमैधरअब एकविसेषहि
हैयादेख प्रतिमंठहितालहिंतूलेख ५१
दोहा चारभेदयाकेकहैप्रथमहिअमर
वषान याकोरहिइकगुरहिसोंरससिंगा
रमैंआने विरामातदुतयुगलसोंअफल
वेजुगलनिभाइ तारनामप्रतिमंठयहि
वीररौद्रसरसाइ २ विरामातलघुतीन
सोंकरनामाहिविचार मधिविरामलघु

तीनसेंा प्लुतनकुंदविचार ९६। चतुविधप्र
तिमंठः दोहा वेकुंदादिप्रभेदसेंाबढ़िवि
होइनिसारह जुगलदकाररलकारसेंासव
नाघाकीचाह मंगलहैपहगाइपप्रथ।
मभेदकरगीत नामकहैवेकुंठयहप्र
तिप्रसिद्धहैगीत विरामातद्रुतयुगल
सेंाआनंदसंतकहोइ लघुगुरुसेंाकंतार
हैकहैसकलकविलोइ ९७ छंद समर
होइहैलघुपरमान वीररसहिमेकीजे
गान हैहैलघद्रुतनामेहोहि वांछित।
दातावांछितयोहि लघुश्रुतद्रुतदेग्रह
लघुजोग होहिविसाललहैसंयोग ९८
अतिबढ़ियोनिसार दोहा अद्रुतालमेगाइ
येअद्रुतालसोहोइ षटभेदनसेंाजानिये
कहेकवीसरलोइ ९९ छंद लघुगुरुश्री
रुजुगलद्रुतिआन विस्मयमेनिहसंकहि

सं
५४
54

ठान लछुअरुद्भुतपरिविसिंगार संकर।
जानननामनिरधार विरामातद्भुतयुगल।
सोंअरुलछुहांसोहोत सछसांतरसआ
निपेशीलनामउहोत हैद्भुतरकलछुगर
निसोंचारनामभुनजान अद्भुतअरुहास।
वीरमेहोतवंसेसंघवदान २० छंद ठैद्भुत
अरुआगेयरदेर वीररसहिमेविजयप्र।
वेर २१ इतिषष्ठियो अद्भुताल: छंद: रा
सतालमेरासकहोर चारभांतिजानेम
वकोर ध्रुवकेअतअलापहिंआन को
नकसांहिविनोदहिठान २२ छंद ध्रुव
केमध्यअलाप देवस्तुतिकरविरुदव।
नार २३ दोहा छिउयुगलउदग्राहकेतापे
पहिलोछिउ रचनाकरआलापसोंउपजेमा
दस्राछिउ नंदनामताकोंकहेआनंदमेंकृ
रगान ध्रुवकआदिअलसकारककरुणाक

तुनठान ७५ छंद युगलविउउदयग्रासप्रमा
नसवागकेमैमकहैसनाल भगलभेदा
लयभेदसोंतीनभांतिकरठान अंतरआ
छरमेंरच्योग्रहमैंएकविराम रामनाम
याकोकहैसबविदताअभिराम ११ रव
अंतरअलापमेंग्रहहैदलसबधाम प
कतालकातालमेंहोइचढूकानाम छंद २८
सबमेंपतिकीहैयहठान औरदवैवड
तेधनधान ग्रहकैप्रथमअलापवनाइ
विकलानामहोइसबदाइ ७९ इतिवि
धिवेकतालिका दोहा आलापनजोगम
ककोमोआलापवखान जाहीसोंग्रहयो
गकरकहैसवैजियज्ञान ८ सातविउ
नितालरविरागसममेंगाइ आदिविरा
नओरमेंमंठहिथरहिवनाइ बढभाइन
जग्रयोगाकरकविग्रमकोधरनाम रव

सं नावीरससिंगारकीकारनैसबअभिराम ८२
५५ वारविंरछरंअगसौरचरागनवरुभाइ
येचवतरंगप्रबंधकरउपजैवरुसबविधाइ
55 इतिसरभलीलः चतरंगप्रबंध छंद सुर
अरुपाटतेनविरुदोपद सर्वप्रकाशनाम
द्वादशपद रागतालपुनद्वादशहोहि क
हैकवीसरयाकौंयेहि ८४ यातेहूजोंस
ख्योहोइ नामसरभलीलाकहिजोइ छंद
सरभलीलातेजान कैवितछंदहियाहिव
षान ८५ इतिसरभलीला इतिसर्वप्रकाश
छंद शशिवरणनकरसोरहविरु चंद्रप्र
काशहोइजअविरु दोसरपाटरुतेनक९
नाविरुदरपदसोंठान रागतालसोरहरचौ
कलासोरहोठान ८६ इतिचंद्रप्रकाश
छंद पाटविरुदसोंतेकरपाहि रंगताल
सेगावैजाहि भेदसमादिनतीनप्रकार

नारंगहिकोयहैविचार ८८ इतिनारंग छं
द विहरहहैनकरचनामाज नंदनताल
हिनंदनमाज इतिनंदन दोहा नवरतननि
वरतनकरैनवविरतिनवताल नवना
गनमैनवरतनप्रभकविनामरमाल ९०
इतिनवरतनप्रकरणम् दशगुनगीतन
मैकहैतिनकोंकरौविचार शृंगाररागम
रोपदोषपरकटतहाविचार ९१ छंद ताको
सकप्रबंधकहैसब याकेलछनपजुक
होप्रब श्रृंगारगमकसंपूरणहोइ ह्रनेता
हिकहैसबकोइ ९२ छंद प्रथमप्रकटा
जाकोसबदेवे नामप्रसन्नताहिकराले
वे सारआछोकंठहितेआवै सोप्रबंधस
कुमारकहावे सोउपजेलैतीनोथान
ताहिप्रलंकुनकहैसजान विरदरलेहो
हिसमदोउ ताहिसमानकहैसबकोउ

सं कंठरुबीणाकोसुरपक नाहिंसमसोलगा
५६ हैकरिटेक जोहिंसनेमनमोहतहोइ म
56 धरोनाहिंकहैसबकोइ १५ इतिगीतगुण
छंद लोकमतिहिमेंहोइविरुद्ध श्रुतअरु
कालबेहैअशुद्ध कलाहीनऔरगुनरू
क होइबहुरुकमअरथयुक्त रीतगवारी
परसंदेह गीतदोषवर्णीकविएह १६ इति
गीतदोष दोहा गीतनिरूपनमेंकियोसो
हैबाद्यअधीन तामेंबरनतबाद्यकोरीके
जाहिंप्रबीन छंद चारभांतकेबाद्यबखान
ततअरुसुषिरमोहमनमान सुनअनवद्ध
औरघनजान इनकीविधिअरुकहतब
खान १७ दोहा बीणादिकजेबाद्यसबति
नकोहैततनाम बंशकाहलाआदिदैसु
षिरकहैअभिराम १८ चरममढ्योजाको
बदनसोअनवद्धबषान कांसतालको

आदिकरसबबनकोविधजान २०॥ दोहा
बीनाहैद्वैभांतकीतिनकेकहेंविवेक
श्रुतिबीनाहैएकअरुस्वरबीनाहैएक २१
श्रुतिबीनापहिलेकहौस्वरबीनायेहोइ
एकतानकीआदिहीघोजुकहैसबकोइ २
छंद तीनतानकीकुलानाम वरूलौवि
श्वश्रुतिअभिराम तेवीणाचविपंचीनाम
पुनउत्तमाकोकलाजान ३ दोहा आला
पिनीअरुकिंकिणीवरूपिनाकातोउ
सातंतानकीहोतहैपरिवादिनीसठोउ ४
वेणुपावअरुपापिकामुरलीकरपहोइ
घटहंजाउमरुवरूरकहतसवेघागोहि ५
छंद औरठक्कुलीविवणानाम ३उमभ
रीअरुनिशसांम उतलेअनुवहकहावे
सवजनमनकोअतिहीभावे ६ दोहा ता
लूअरुहंचेदावरूरहतुदुंदुंटकाहोइ जयघंटे

से
५७

57

टाकथाबडाक्कतिपविद्यनजोइ छंद प
द्धनबाधकरावनहैसब इनकीविधितं।
स्वनमोंसोंश्रव ८ दोहा दीनारवनाभेदस
वलहैवजावनहार तातेयामैनहिलवि
कहोनबडविस्तार देहहोइनवसुहिमि
नपकतवडीलाइ आलापनतासोंकहै
होतजुयाहीभाइ ९ एकचंदननिरनति
देखिनामसहिसोंसाज हैतेवानामेल
गैग्रहकरहासोंबाज चौदहसारनिमेन
मोंतामैमीतलगाइ औरजुविधयामैक
छुनानलेहुविनवाइ वासवरकोवंदन
हिलेकवंसवनाइ सिरतेग्रधकोवद्धइ।
डेरहविधछवजनाइ १० औरवाधविस्ता
रवडऔरग्रन्थतेजान विस्तरकोभयग्रा
नचितकहैनमैंइहाआन हस्तपारजेहै
भयेशिवमुखतेविस्तार नागबंधआदि

सैवकहोतिनहिनिरधार १८ छनगि
नेननमितिउगिउदंगेरधो किटततन
रुंधुमितनकिटधोगिधो इतिमुघेजा
नोरुभवा १ नेगकिटधींहनाधोगिना
धेंगाधिगिननतनकिधोंधोगिनेवेवे
टकुरेउं इतिवामरेवोरुवा: नगगिउट
टधेगिकिधेगिकिकितकथकिटननवि
रिट: विरविरतरकिधरकि इतिग्रघो
गेरुवा: दरगिउदगिरुदकरेकुननगि
नवोरविरविरिदंवेधोगिननताधिधि
धिधि इतिनमुरुघोरुवा: नेमेंनकेंकेंति
रिधुकिनकिनकिधिधिकिटकिटगन
विथरक:दोनकट: इतिईमानोरुवा:
दोहा पग्रद्धरकरैघाकेविनसोकरप्रवा
ध नेमेंमेपहिलेकहेसवैगीतमनवध १८
मतिदोलाघ्रजगजरधनघ्रोरगिगागीहोर

सं
५८

मेलापकआदिकहैंसकलकवीस्वरलोइ १२
वाद्यककेलछनसवैआरग्रंथनतेंजान वि
5.8 स्तरकोभयजानकेमैनहिंकहेबखान
हरिवल्लभभाषाकरीसबसंगीतकोसा
र तामैसंपूरणभयोवाद्यविवेकविचा
र १९ इतिवाद्यविचारः कवित्त देवोघ
हमसराजोगीगिरिजानथहयोगीजाके
चरणनियोगीवरणनिहारीहैं अंगलप
टायेभोगीकहोयहकैसोजोगीधरतिवि
भूततनमेंविभूतिभारीहैं कनककनजाके
कहेंतनककनकनितपात्रहैं मनकथ
नयनधरतअधारीहैं जाकेहरिवल्लभअ
शेषकहैं शेखरअरुईसरकरतअरुमालनि
भिखारीहैं २० दोहा तालक्रियाप्रमान
पपकवाजमहंहोहि ताकोतालकहैंस
वैजेजानतयामोहि कालछनादिकजा

लियेक्रियातालकोयोग मानकहैवि
श्रामकोंजबसमीतविदलोग २२ कर
णाकेसंयोगमेंग्रोरवियोगहूमांहि का
लप्राणदसमोमिल्यौंतालकहैकविता
हि एकजुमारगतालहूहैजोदेशीहोइ
शुद्धहूमारगगुनकहैंसंकीरनकविलो
इ २४ दशप्राणनिकेनामश्रबकहैंगिना
इबनाइ कालहूमासागुनक्रियाअंगरग्र
हृग्रभाइ जतिकलालप्रजतिबहूरदश
ऊँहैंनलार इनकेलछनग्रबकहौंकर
केग्रथविचार ब्रह्मादिककालमोंसो
ईकहियेग्रान पाहितालनामहैलहिक
रगीननमैंगान ग्रउडुननेग्रारंभकरता
लेकालकोंजान तालक्षयोगहिजानहैं
छालछुनादिकग्रान २८ संकरकहैंत
कारकेंगिरिजाकहैनलकार शिवहि

सं शास्त्रसंयोगतेहोतनतालविस्तार चौपई २९
५९ एककमलदललेवेधेजोलो छिनपरमा
नकहीसबतोलो आठछिननकोइक
लवहोइ आठलवनिइककाष्ठाहोइ आ
आठकाष्ठाएकनिमेष आठनिमेषनक
लाविशेष ३० दोहा कलाअगलसोहो
तहैचतरभागएनएक ककुदिताहो।
कोकहैचितमेकरसाविटेक ३१ छंद चा
तरभागहैसोअनुमान हैअनसोडुतक
हैसुजान ३२ छहमारगजेहैकहैतिन
कोकरतवषान दछिनवाजिकपिनष
नऔरविनतरजान ३३ छहैविनतमहै
कसोंरनकीकलागिनाइ कहिहैदछ
मेवसुकलाअरधकलाएनलाइ ३४ है
पहिलीहैपाछिलीकलावातिकमाहि
आदअंतकीचितमेमोभाषेकवितमाहि २५

कलाहोइद्युतिमानसोंचितनाहूंमैंआइ
वकुरचिततममैंकलाकरजमानकेभा
३ ३७ क्रियाह्वैहीहैभांतिकीतिनकीक
हतनजनाउ पहिलेनिःशाह्वाकहीयुगश
ह्वाजुगनाउ निशङ्काविधचारकीलागेक
हतमहदेश आवापकनिःकामअकवि
छेपकपरवेश ३८ फवअरूसपालउ
नमत्रिपातनिरमान पानकलापनिकें
कहैजेअतिचतरसज्ञान करपरसेतेंआ
गरीगुरेकनिहाआर आवापकतांको
कहैउनिजनमवैअनाद ४० करनलक
रनीचवद्धरअंगरीदेउपमार निकामक
तांकोकहैंलछनवितहिविचार ४१ अग
निछोटेहाहनेसोविछेपकहोइ आदित
नेनीअघहिकोंमुरेप्रवेशाकसोइ कर
रचनीचैपरैंकुटकीशहूउठाइ नाहीकों

सं
८

60

ध्रुवकहतहैंगुनिजनयाहीभाइ दछुन
करकेतालसोंसंपाकहैसजान वापक
रकेतालकोकहैतालपरिमान ५५ दोउ
करकेतालकोसंनिपातहैनाम पञुनस
हूभेदकोकहैमहारसधाम सानंध्रुगहै
तालकेतिनकेअवसतिनांम अनुद्रुतअ
रुपामद्रुतलघुबरूपोहैअभिरांम गुरुअ
रुलुतमिलअंगकहैतालविदहोइ अब
इनकोउपजतिकहोंअवद्रुततबनहिहो
इ ५० द्रुतहैउपज्योनीरतेजलसमीरदव
राम लघुपावकतेंहैंभयोअंमहितेलव
रांम गुरुउपज्योआकाशतेप्लुतिपृथ्वीते
जान अवइनकेसुनदेवताअनुद्रुतचंदव
षान द्रुतकोठाकुरकहेसंभुहैंकंदरेवदवि
राम देवीलघुकोदेवतादविरामहिगुरा
नांम ५१ शिवगौरीगुरुदेवताप्लुतकेती

नोरेव जेइनकोहेउह्वरातिनिमकोकह्नोगु
मेव ५१ दोह्म ग्रकुडुनकोंनिनस्कहोंडुन।
कोवस्कननाय वकवोलेदवंगमकों
लवकेचापाव्वनाइ कोकललवगमहि
कहेवाइमगाकह्निदेइ निनस्मरकोउह्वार
करक्वक्रुटस्लनकह्निलेइ ५२ स्मनइन।
कींमह्लाग्रवह्निकह्नलगुनीननलोइ ग्रहे
वहूग्रगुडुनकराजग्रर्थविहूदगुनह्नोइ ग्र
हुंवेदग्रहकदेग्रंकुशाधनगुनजोन प
त्तिनग्रगुकेनामहेंपडिनकदनवंषान
ग्रूमाविंग्मजननकुपगुनवलयसहूनग।
नाइ विंदग्रर्थमानकककैंहुडुनकेनाम।
वनाइ ५८ हूस्वमेरग्रकदंउगुनग्रोरमा।
नेकानाम मारलहूमापकवकुरांहूलगु
कह्निपेग्रभिगाम स्ननलहुनामह्निमाव
गरुदीरवकंकनवंन नुगाहूागगहूज

सं
८१ पुनकेरअहतांटंक सालरंछगीटीमपुन
सुतकेनामसरंग कहैंग्रंथसंगीतमैसत
61 नामरहिअंग अतिसछमकरबातमेअ
द्रुतकोकरजोग सूछमबातनहिद्रुनकहै
सूरनलघुसंयोग ८० बातहिकरकछेप
पुनकरेसकहकोरूप करबातहिकरअ
मकहैसलतजानअनूप अंतरअनुद्रुत
बातमैसारथअगलहोइ द्रुतमैतीनहृद
उमैषटअगलनेजोइ ८२ गुरमैद्वादशाहो
तहैसतमैंवसदसजान लघुअद्धपवक
हैएकमात्रकामान एकमात्रकहिलघु
कहैगुरुहिमात्रकादोइ सुतमात्रकाती
नहैकहैगुनीजनलोइ ८४ अर्धमात्रका
द्रुतकहैअर्धद्रुतहिअगुपक तालशास्त्र
वियधौंकहैंकरकेवऊतविवेक करेवा
रगरतालमैतिनकोदेतगनाइ सहैतीन

अनागतोचोथ्यौंविषमजानाइ ९९ गीत।
तालदोउलवैएककालमैहोहि ताको
समसमपानिसवपंडिकहैसयोहि अथ
महिरचनागीतकीपाछेतालहिंआन
ग्रहअतीततासोंकहैग्रहग्रपपानिवखा।
न पहिलेतालप्रतेहोऊनहोइगीतविस्तार
सोइअनागतहोतहैउपरपानिरथार
आदिअंतकोनेमनहिंसोविषमग्रहहोइ
इनकेलछनयोंकहैसबैगुनीजनलोइ २०
पावसानसुनप्रथमहीहैवनराश्रमनाम
असरिवउग्रहमिश्रगुनसंकीरनअभिराम
चारवर्णकोतालजोसोचतरस्रवखान
तीनवर्णकोत्र्यसकहिंखिउपावसोजान २२
मिश्रकहैवनेकोंसंकीरणनवहोइ जा
नंयाचपतालकीकहैगुनीजनलोइ च
तरस्रहहिजनकहतहैअछहिछीमान

सं वेशपरिहिंठिरकहैंवक्रमसहरमिश्रनंजान ७४
९२ वैपर्दे मकरसंकीरगाग्रनहोइ यौंहीक
62 हैंतालविदलोइ ७५ ग्राटकलाश्रवहों
कहैंध्रुवकोंप्रथमविचार सर्पिनिक्रो
आपद्मिनीविसरजानिरधार छटईवि
छिमाकहीवक्रपताकामान पतितारू
ढंग्राटईश्रवलछनपैंजान शरूसहित
ध्रुवकाकहैंसर्पिनवायेंजाइ कूष्मांड
छिनग्रारहेंपद्मनिश्रथकेभाइ दोहा ७८
विसर्जितावाहरचलैविछिमाफिरश्राइ
दूरथगतिजपताकहीपतितानाकरहिगि
रइ ७९ छंद लघुशेषागमैंध्रुवकाहोत
ध्रुवकापतितागुरहिउदोत ध्रुवकास
र्पिनिकूष्मांडजान सतमैंपतीनोंजान ८०
क्रियामपविसामत्रहोइहोइ नाकोलघ
हिकहैंसवकोइ लघुहैतीननभांतकेकरै

द्रुतमध्यहै विलंबित लहै इनतीनौंकौक
हैं समान वरणामरो विलसमान ८२ दो
हा लयप्रहृतके नामकौ कहैं सवै जंति
नाम कहैं समाश्रोता गता श्रोर मृदंगा
यांम ८३ पिपीलिकां पंचम करी गोपु
छायाभाइ इनके लछनयांक है द्रुतव
ढ़ोपुन आवे पश्रातोगातभेदकहावे ८४
छंद द्रुतमध्यमद्रुतरहै विराजै पेसे कहै
सकलक विराजै मध्यमवरमध्यमपुन
कहिये भेदमृदंगाके पलहिये विरद्रुत
विरहि वढ़ रयवेराष मध्यमद्रुतमध्यमा
करलेष विरमध्यमविरपांत विशेष पी
पिपीलिकाभेदहिलेष ८५ छंद द्रुतमध्य
मविरकीकर पांति बढ़ै हौमध्यमद्रुतवि
रभांति मध्यमविरकीके द्रुतपुन निरथा
र गोपुछाके भेद विचार ८६ चौपई श्रग

सं निकोंक्रमतेलिविमोन यह्यल्लाज्ञाना।
६३ निह्वोन ९१ इतिदशप्राणाः अथताल
63 कथनम् पांचतालमाणकहैतिनको।
कहैंवनाइ प्रथमचच्चत्पुटमैकह्योचा।
चपुटपाभाइ १० चक्रा षट्पितापुत्रहैउ
द्घट्टापुनहोइ तालभेदघोंकह्यहैसबे
गुनीजननलोइ चच्चत्पुटमैगुरुद्युगलप्लु
लघुसूनविचार शिवमुखसघोजातनेउ
चरोजहनिरधार १२ श्वेतवर्णाघाकोक
हतप्राटकलाकैभाइ पहिभांत०००म
नेसैसमकगुणीजनकरतविनवाइ १३
ऽऽ।ऽ। जहांकिटजकिथरकिजगनंग
ककथरकिकिटाकुजे १४ पहिलेगुरुल
घुगुगलपुनवक्रोगुरुहैदोन वामदेवमु
खतेभयोचाचपुटहिउघोन १५ यथा ७०
ऽ।ऽ।० छंद पीतवर्णजानोयहताल

छट्मात्रामेंलगेरमाल तस्यातननयाऊक
हेथ्यातकतकथ्योथितायाः किणजगः
नकिकिथ्या वकृरिघट्धिताधत्रैमे लख
स्ततवकृरोहोतहै॰ । ऽ । ऽऽ । ॰ छंद
स्ततवकृरलघुगरूजुगजान रक्रवरण
पातालहिंमान गुवर्ईशानहिंतयरहभ·
यो द्वादशाकलाठानहैठयो सपक्केष्ट
ककोरूप कहतउहैग्रवग्रतहिंग्रनरूप
वहिलेस्ततवकृरगरोम वकृरस्ततकर
पग्रभिंरोम ९० ऽऽ ऽऽ गुवग्रग्योरतें·
जानेंयाको द्वादशकलालगनहोताको
तीनगुरनिउद्वचहूवनाइ नगुरुषतभयो
जनाइ ९८ ऽऽऽ छट्मात्रासोग्रतहीराजे
याकोगुनिजनसवविजयमाजे ९९ ग्र
घदेशीताल दोहा लवग्रादिकपरिमा
नलेदेशीतालनिमाज कांस्यतालकोध

सं निलईचित्तकोरोचकठान ३०॥ पाद्रुव
९४ णिलघुद्रुवैंएकमात्रकाहोइ देशीमेंच
64 टिवढ़िकहैजीवनत्र्यावेमोइ ३१ ग्रहुवर
मोछनमैंकहौलघुहीकोग्रधिकार क
रिप्रमानयातेकह्योपाहीतेनिरधार २
तालप्रागासंगीतकोकहैंसंगीतीलोइ
तातेपहिलेंगीतकौंतालसाधनाहोइ ३
बहुतकसाोमेंतालहैंतामीभन्नइकरूप
तिनमेंमेदवर्णानियेकालप्रमानग्रनूप ४
लघुग्रादिकेंचिन्हकोइनमेंबहुविस्तार चि
ह्नताततालेकहैंसबैगुनीनिरधार एक।
मोतेंहोतहैंग्रादितालपरिमान ताकोंस
ताहैसबैरागसकहीमम्यान ९ छंद छैहु
नग्ररूपकेदेवराम वितयतालग्रनही
ग्रभिराम २ इतिरासताल चौपई छैद्रुत
लघुमिलतालद्वितीय ० है लघुग्रोरप।

कहुतकीय हैडुतग्रुतरीमंदरहोरि ॥ पंच
मत्तालकहैसबमोरि ८ इतिहिंतीयपवत्त
ष्ठंकपंचम छंद लितगुगाग्रफगुगालछुप
क धौनिसंकलीलाकीटेक ९ ऽऽऽऽ
छंद हैडुतग्रुफलछुपकैग्रान ००ऽ दर्प
णतालहिंग्रुसंठांन १० नेतेष्य: इतिदर्प
ण दोहा नीनवकलछुलुतवफरलछुग
फछुणीधार तालसिंहविक्रमलयहैक
हैगुणीनिरधार छंद हैलछुहैगुफवङ्क
गेलेष ऽऽ इतिलीलातालहिंग्रुवरेख १२
इतिरतिलीला छंद हैडुतहैलछुहैगुफद
प यहकदर्पता ००।।ऽऽलसग्रुनूप १२
चौपई लवडुतगुगाग्रुफधुर ।००ऽ कर
ग्रीत तालवीरविक्रमयारीत १४ इति वी-
छंद वेदवलघग्रुपकैहार ००००ऽ राग
तालकोयहैविचार १५ दोहा मेरगुगालता

सं ठेकएकआपकसंगीसाज तालहोइश्री
६५ रंगएकताललनिकोसिरताज १८ इतिश्री
छंद आठबारलिखिद्रुतदविराम ००००
०००००००००००००००० अंतएकलघुब
रनाम १२ इतिचच्चरीताल छंद द्रुतद्वि
रामरूपएकेवान आठबारयहलिखोस
ंजान १८ ०००००००००००००००००००
चच्चरकोरूपजोयहरूप कानननसुननसुहो
नअरूप १२ इतिद्वितीयचच्चरीताल छंद
तीनहारलघुआपकहोइ यहप्रसंगताल
यौंहोइ छंद एकेद्रुतअंजेआपकएक जि
नलगहिकोयहैविवेक २१ इतिजिनलगु
तेथ्थे दोहा तीनमेरधरआदहीअंतएककल
विराम तारीकोमनककनेहेराजलीलाअ
भिराम २३ इतिराजलीला छंद आपक
एकएकलविराम हंसलीलतालहिको।

65

नाम २५ दोहा वलयजुगलव्यापकवक्र
स्वरूपरूपावदरसाल ००।ऽ सरसरूपप
तिहोतहैंवर्णाभिन्नयहताल २५ छंद
लघुगुरुरूपगीनवहोहोइ तालविभिन्न
कहैसवकोइ २६ दोहा वलयजुगल।
लघुतीनधरवलयजुगललघुहार ००
००।ऽः तालराजचूडामणिहिकहैसवै
निरधार २७ प्रादितीनगुरुधरवक्र ऽऽऽ
ऽव्यापकरूपगीठान तालनामगणिजन
कहैरंगोद्योतवखान २८ छंद नगनहू
रक्रमतेरूपगीसव ऽऽ।ऽऽ रंगप्रतीपता
लकोधौंरच दोहा नूपुररूपगीवलयजुग
लहारमेरमसिजात ऽऽ००ऽऽ क्रमतेरव
नाकीजियेराजतालसरसाल ३० मेरुयु
गलगुरुदुलघुगलवक्रस्पारहैहोहि अ
स्ववर्णतालहैकहैगुणीधागोहि ३१ तीन

सं

९९ कूपदविरामरचितीनवारगुनअंग्रा००००
०००००००००ऽऽ।ऽ: धुरविस्तगला।
गुरवरूरमिश्रवर्णरहछंगा ३२ छंद नूपु
रआपकश्रथमहिराभै आगेवलपञ्जुग
लघुनसचौ पाछैगावोहारविहार यह
वनरसवर्णविस्तार इतिवनरसवर्ण
ताल छंद दोहा श्रंगीवाणगुणवरूर
श्रतवरूलघहार सामञ्जलबसीमञव
रूरसिहलीलघहनार ३४ ऽऽऽऽऽऽ।ऽ
हैकंकणहैमेरहैडुतरतारस्थान ऽऽ००
ऽ सबसंगीतविदयोंकहैनयतालहिंपी
मान ३४ वेदवलपसरमसनञगालनूपुर
वरूहोहोइ००००० ००ऽ वनमाली।
कौमानयहजानतहैसबकोइ ३९ आप
कसोमजविइधुगश्रृंगीवरूरोजान है
सनाहकोकहतहैंकोमदश्रतिरसठान

66

एकमेरागुरतीनगुरएकवानइकहार
ऽऽऽ।ऽ सिंहनादयाकोकहैंग्रंथनिक
निरधार ३८ छंद वलयजुगलवरूरोग्र
गवांन विंदुविरामविदहैजान ३९ ०८
०८ हैमरवलघचारलहुदोइ तालस
रमलीलकथोंहोइ ४० दोहा हारगुगा
लवलगुरजुगलवानसुगोलवजांन ख
गहारसवोरगुनवेदनिःशावदवषांन ४१
॥ःऽऽ।ऽऽ।००ऽऽ।ऽऽऽ।।।।।।।
सिंहनदनताल नग्रीक०३हगिडदां।
थरिक·उहगिगिदा·दुगिउरदक·नकथ
रिकि·नक्कादिग्धा·कुदकिउदकरगिड
धिडगिड०धोधितितिगिगिरदिगदि
गधितग्धा किणधिग्धा नादिकताकि
दाकिटताकिदा धिरकिडधोधिरगिड
नाकिधरकिड गिडनाकिदाकिणघकि

सं किततकुपियया ४२ इतिसिंहनंदनताल छं
६० द हैलघुहैगुरुदंडीगीश्रान हैब्यापकश्रीरि
ह्रारहिठांन चारिनिशाहूनिंमठशमान
67 तालकहतकविजनसबबावान ४३ इति
मंठताल दोहा पांचमेरहूपरवड्रायके
हैसरहोहि ।।।।।ऽ।।।। औरभांनकोमं
ठयहकहैगुनीयागोहि ४४ इतिद्विती
यमंठताल दोहा बानवलयसरयुगव
लयब्यापकश्रीत्रयकूप ।०।००।००० ।
ब्यापकवड्रोश्रंतयरवस्लिताल्यारूप ४५
गिडगिनकिंताककिनथोरिकिटकुकु
रटथोरिकिगिडजिताकथों.तकतक.
जि. ऊऊगजगजिथुऊ:रट.कुकुरिगन
कुकजे इतिब्रह्म छंद सारमेरश्रोगेधर
श्रगा योकोकिलप्रियतारसंग ऽ।ऽ ४६
ब्यापकश्रफलविरामहिहोइ तालनिसा

नकरैमबकोर ४७ लघुगुरुविङगला
निरधार ।ऽ०० ह्रोइराजविद्याधरताल ४८
जघमंगलरविपयाभार करुतमवैयोवे
डितराइ ४९ जुगमविदवलैविस्तार ००
०० तालमलिकामोदविचार ५० मेरुजु
गलयुजतीनोहार ॥ऽऽऽ विजयानन्द
होतयहतार ५१ कोइतालवलदविराम
०० चंद्रसिमारहिहुजोनाम हारमेरहुजोम
रंवक ऽ।ऽ।ऽ तालजयश्रीरचेतिनिसक ५२
वलयजुगलआपकत्रयहोह ००॥००॥
कहैमकरंदतालयागोर ५३ लतरजुग
लयतारस्थान ऽऽऽ कीरततालयहैपरि
मान ५४ हेगुरहैलघुऽऽ॥रचोवनाइ
श्रीकीरतकोदंडगनाइ ५५ एकमरल
जुगवलयमधार ।०० प्रतितालहियोंर
चोविचार इतिप्रतिताल छंद श्रृंगहारमा

सं मजग्रभिराम ३८६ विजयतालकोग्रति
९८ सविधाम ५० नूपरवारवलयतांटक ४
००००५ बिंडमालतीतालनिसंक ५८
68 हैमरपकविंददविराम ०० कहैगनीया
कोसमनाम ५१ मापकवलयजुगलग्र
नसंग ०७३ नटनतालसननतसविग्रग ९०
तालमंठकाशलघकृतरवि ४।३ यारि
गुनीरापतविनमैमचि ६। मरलजुगल।
टविरामनकृप ७० हितीयमंठकाको
यहरप ६२ हैडुनहैलघग्रजहैहार ०० ।
५५ ।। दीपकतारहोतनिरधार ६३ हैठा
पकग्रहनूपरपक ।।५।। तालउदीचनि
यहैविवेक ६४ हारमेरग्रीमकेयूर टेकी
तारकहतयाशूर ६५ तीनवलयद्रुतिरा
म ७नितीनवलयदविराम विषमताल।
कोरूपयहसननमहंग्रभिराम ६६०००

ऽ००००० हैसरहैद्रुतलघुद्रुतहोइ वर्ण
मेंटकाइहविधहोइ ०० । ०० हैव्यापक
हैद्रुतगुरुहार ॥ ००ऽ यहअभिनंदताल
निरधार सरंभीसरजगनताटेक ताल
मेंनगाहोहिनिहसंक ८१ एकमेरहैहैद्रुत
लघुगुरु नांदीतालकहतकवीसर ०।
व्यापकचारवलघटविराम ॥०ऽ॥मलू
तालअनहोअभिराम ०। अवकंकाल
चारविधंतहन पूरनविइसमेगअसमा
पुन चारवलघनूपरअरवान ००००ऽ
पूरणतालहिकहैसजान ०२ हैविजना
अनकंककनटोइ ००ऽऽ एइकतालक
हैसवकोइ ०३ हैकेपूरपकलघतान ० ०
समकंकालतालयौंजान ०४ व्यापक
एकवरूरहैहार विषमतालमधयहैविचा
रे ०५ लघअररहैद्रुतिअरलघहार कमट

सं
६९ ताल्कोयहेविवाः ०९ दीरवपकेरलचा।
वलसम कहेफोवशीतालहिनाम ०८ दी
रवपकवलयहविराम वनरतालहेषह
श्रभिराम ३ मापकश्रृंगीरवोमनाइ ।३
तालश्रनेगाहिदेहजनाइ ०९ हारमेरूप
रङ्गनहोइ २।२०० रायवेकश्रवेइहवि।
धजोइ ८० मापकतीनतीनश्राटक ।।।
ऽऽऽ तालवसन्तहिरचोनिसंक ८१ काइ
कमापकारवोविराम लघ्वशेखरहेताल
हिनाम ८२ इतिप्रतापशेखरताल वेद कु
पविरामकुपलयद्राम ०६ झंपाताल।
प्रमाणहिनाव ८३ हारवलयहेश्रहदवि
राम २००८ जगझंपातालहिकोनाम ८४
मापकहारमेरश्रुकरेग ।२।३ तालवत्त
मुखकोवहरेग ८५ देविजनपकेताटक
मदनतालरवियोनिहसंक ८६ सवोसग

नकेभगनेरचौ ऽ।। हैविधप्रतिमंठहिको

बचौ ८० मगानमेरहिलनहैगुरुउन ऽऽऽ

।ऽऽ।० पारवतीलोचनग्रनिरमगुन ६

व्यापकग्रहनूपरहैएक इतितालहि।

कोघहैविवेक ८९ गगनदेउग्रकतार।

ध्यान ०।ऽ लीलातालयहैपरिमान १०

वारहहूननिरचोवनाइ धौकरनाजति

तालजनाइ ९१ वलघजुगललवनूपर

साज ००।ऽ ललिततालग्रतिरहैविरा

जे ९२ तीनगगानएकैदविराम ०००ऽ

गाहूगितालकेहैसवनाम ९३ हैसहठन

लघुगुरुलघुहार ००।ऽ।। राजनराघ

णतालविचार ९४ द्रुतदविराममेरग्रक

ग्रेग ०ऽ।ऽ लछमीईग्राहोतइतिठंग ९५

इतिछंद हैव्यापकनूपरलचहार।।ऽ।ऽ

लाललगितप्रयामोहार ९६ कंकनवा

सं नघुगलशशिशृत ।।ऽ श्रीनंदनहैयाही
३१ सूत हैद्रुतआपकबरूरोग्रेग ००।ऽ बंहै
ननालकरैवरूरांग ९८ विरहिणामहिम
70 रत्नेरव ०ऽ।ऽ तालरागवर्द्धनकोघोम
व ९९ षट्विंजनरविपकेवार ००००
०० षड्तालहिकोयहैविचार ऽ।। द्रुत
हैपकेरवद्विराम ००ऽ ग्रंतरक्रीडाग्र
तिग्रभिराम । लवविरामजगारविड्हभा
ड् हंसतालकोयहैसभाड् २ आपकसुं
गीवरूरोठान।ऽ उत्सवतालहिनीकेना
न ३ हारवलयसुंगीगुगटोड् ऽ००ऽऽ
तालविलोकितपैमेहोड् ४ वारमेरपके
लविराम ।।।ऽ गजतालहिरचिकरग्रभि
राम हैलघुहैद्रुतरविड्हभाड् ।।०० ता
लपर्णिनतिहैड्हिदाड् ५ द्रुतक्रूपग्रह।
तीनोवान ।०।। सिंहतालकोयहैसमान

रविकेरूपकविनलाइ करणतालहोत
घाटाइ ८ मराइकवलघातीनलघुटोइ
०००॥ मारमतालकहैसबकोइ ९ रू
पजुगलअरूद्रुतजुगलपुन ००॥ चंद्र
तालकोघाहीविधजुन गगनतीनमाम
जअरूवान ।ऽऽऽऽऽ चंद्रकलाकोरचौ
सज्ञान ॥ दोहा हयगरलघुअरूअगत्रयधनू
परंधूगोहोहि ।।ऽऽऽ सवसंगीतीकह
नैहैलयपतालहियागोहि १२ दीरघआप
कहारारचिवलयजुगलजुगहार ।।ऽ००
एकदतालघाकोकहैंजनजनकरनिरधार १२
रूपजुगलअरूहैसराहान ००॥ तालद्रु
तालीयहैवखान १४ लघुद्रुतहैहैलघुजु
रूपक ॥००।ऽ। हैतातालहियहैविवेक १५
रतिद्रुतालछंद सगलनगनवक्रोवख्या
न ।।ऽऽऽ।ऽ हैहतालकीयहैप्रमान

से आपकवेदविंदुगुरुएक ।००००ऽ ताल
७१ गुरुकेदोनोसरविटेक १७ द्वैलघुद्वैद्रुतगुरु।
सताल ।००ऽऽ तालकुविंदहिपैसोठान १८
आपकजुगलनूपरससंग्रग ऽ।ऽ तालकल
धनिउपजेरंग १९ पांचवर्णरविमरमह
जान ।।।।। गौरीतालघहैपरिमान २० है
द्वैहारमेस्थगाम सरसतिकंठाभरणाहि।
ताल २१ चारवलघतीनोलविराम ०००
ऽऽऽ भगनताल ‴ नहीश्रीभराम २२ वलघ
जुगलएकेसरहार ००।ऽ राजमृगांक
तालनिरधार २३ हारमेरवद्रुतेविजनम
वि ऽ।० राजमार्तंडतालतहेरवि २४
लघुगुरुश्रंगीवानवषान ।ऽऽऽऽ।। ता
लनिसकथहैपरिमान २५ दोहा विंदयु
गललघुश्रंगपुनहारजुगलगुरुमेर ००
ऽऽ सारंगदेवमताराघहकेहैमहासरवेदन

अमतिइकअग्रङ्गुतरखौविशाल विश्रा
तालहैयहरूभताल २० एककलयइकु
तालीजान १० अंतविन्नामकंइकहि
न २८ एकअगप्रतिमठरहिठांव ३ सन्नि
पातथाहीकोजान २९ जुगलअगाङ्गा
नूपरवाण १११ तालनिसकलीलपरि
मान ३० देहा वानवलयमरगमवले
आपकअंगुत्रयकूप १०।१००।१०००।
आपकवकूरोअंतवरवलितालथाडूप ३।
गिरगिरकि नकजिनथारिकिरकुक
रटथरिकिरगिरजिताकथा नकजक
कि० उउगनगाकिथउ० रर० कुकुथारिग
नककुके इनिबहलताल० छंद विंजनस
रविंउथगवान १०।१०० इडावानकोयहै
प्रमान ३२ तीनवलैलवएकवनाइ ००
०। वतमालहैयाहीभाउ ३३ ठिकुठिकु

सं
७२

छगि नथ्या रोह्म पंचवैलेयञ्चविरतिदुन
लवडुतश्चनदविराम कुंभतालयाकोक
हैमस्त्रगाडुन्दविराम २४ ००००० ।ऽ
ऽ।ऽऽ।।ऽ। इतिकुंभतालछंद वलया
जुगलइकवानश्चधबिंडककोंजुगा।
वि डुनदविरामह्ववलयलङुश्चणह्वयद
विरामहिमवि वलयविरतिडुनमेरकूप
हैकालविरामहि लक्ष्मीतालह्मनश्चन
ह्लमलविधामहि ३१ छंद वलयमेरविज
नमरलगगनतीनलवपक बिंडकश्च।
ह्लविरामपुनिश्चंजुनतालविवेक २९
वलयमेरलविरामवमरबकुरोलविरा।
महि श्रापकवकुरोबलयरश्चोश्चनहीश्च
मगामहि ३० मरलविरतिजुगमेरकुपा।
नाडिकाताल ह्लनरमनंगीनीमकलक
हैश्रावसमैगणजान ३१ ०।।०।।०।

इतिकुशलनाडिकाताल दोहा दलदला
गुगद्रुतमरालहैतीनवलैसरएक वारबि
इलबुध्रकुलिविकलतालहैटेक ३१ प
केलबुपकैहविराम रखातालकरहतस
जान दोहा तीनबिंदसरएकपुनद्रुतहै।
आपकहोइ ०००।०० ॥ सन्नितालघा।
कोकहैसवंसगीतीलोइ ४० तीनगभन
सरगुगवलघसरबिंदकसरकृप ०००।
००।०। तीनसेरवक्रएलिवोमहासवि
कोहूप ४।०।।..।.।। हैककनसरतीन
श्रतीनश्रुशवदवनाइ ऽऽ ॥ ।।।। पंचबा
नघहतालहैहैभेदनघाभाइ ४२ नूपुरगु
गलतीनलविराम ऽऽ।०।। हूनोपंचबान
अभिराम ४३ तीनहारश्रुतश्रुगसरवक्रो
ककणश्रग ऽऽऽऽ।ऽ.ऽ।ऽऽ तालसि
हविक्रमघहेउपजावैरसरंग ४४ दोरव

सं
७३
73

त्रयमरतालस्थान ऽऽऽ।ऽ रंगघोततालप
रिमान ४। लक्ष्मेगतूपरमेरश्वगगुरलव
सुतगुरवान।ऽ।ऽ।ऽ।ऽऽऽ ष्ठेगीलिखेषु
नम्रतमैसिंहविक्रीडनमान वललघगु
गलद्विरामपुनविरतिवलैगुरुद्धान ००
ऽऽ०००० तीनविंदद्विरामपुनविरति
वैलैगुरुठोतालकल्मानवष्ठान ४० मर
गुगलद्रुतद्विरामद्रुतदललघुत्रयघ्नान
।।।०००।।।०ऽ द्रुतद्विरामावक्रारूवा
द्रतालयोमान ४८ पकमारविटपकेहा
ऽ।ऽः रतितालहिकोपद्वैविचार ४९ मर
लकूपद्विरामहिमाज।०ऽ रूपकताल
रेहैयाराज ५ विंदुविरामविंदुगुरुकमेर
०ऽ० कंपकतालरेहैयाफेर ५१ वलघ
गुगलमरगुगलविवार ००।। ग्रहता
लीयाकोनिरधार ५२ वेद जतितालहि

यांभातजनाऽ कहृतसेवेयोपडिनराऽ २५
थापकडुनवऋरोलविराम ।०। ऋवाता
एकतालोयानाम ५५ थापकविडञ्ज
गलघनह्रोऽ ०० योप्रतितालकहृस
वकोऽ ५८ एककूपमरस्तीनोह्राह्रि
०।।ऋवतालहृयाह्रीगोह्रि ५० हैलव
विंटवऋरटविराम।।०।।ञुवरीतालयेहृ
श्रीभिराम ५८ वापञ्जगलघुगथापक
टेन पिष्टतालकायहृप्रमाण ५८ ह्रार
ञुगलंघ्रगमरलककनघुगठानिघ
नृघररवह्रारञ्जगलवानश्रूगोघ्रानिप दं
ऽमसिजवक्रमरलमीननमेज्ञानिघ
घरनिपावटवारवऋरासिंहृमन्दमानिघे ८०
ऽऽ।ऽ।ऽ००ऽऽ।ऽ।ऽ।।एपछंदकुडा
लिघा ऊंऽलघुगथापकमसिजतोना
ह्रारलवपक समजमरतश्रंगतरक

सं नकावलमावेरेक कनकावलमावेरे
७४ कचारनिःशावदनिज्ञानक्र वलपचारगु
गमेरहारगगलवश्रगहानक्र देरवक्रसर
74 श्रगधारलवेवदसमंरल केकनवगुग
लवनारतालरछ्योमकुंरल ६।ऽऽ।
ऽ ऽऽऽ।ऽ।ऽऽ००००००॥ऽऽ।ऽ।ऽ।
ऽऽ।।।।।।।।। कवित्त केवनगितिसमस्ति
सतगमेरस्रगहारदंरनूपुरदीपनश्रति
श्रमिये आपकविमानकजगलरवि
केकननितीनठोरपकवानमगनपरि
वानिये सामजनरावककिसलीगुव
मामज्ञानकुंरलहैतीनग्रहदीरवनि
जानिये लवुंश्रगवलेजगलवश्रोरश्र
सवदधरवारयोवनालकुंरलीवषानिये ६२
ऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।ऽऽऽऽऽ।ऽऽऽऽ।ऽऽऽ।००
।।।।।। इतिपातालकुंरलीताल कवित्त

सागुगहागसरसामजसगनसुरसोमज
सुरलघुरखंगोगुरसामनू तीनगुगवान·
गुगमगननगनगुनदीपनगुगलरवि·
गुतिगुभिरामनू नगनवनारतीनगुरु
लघुहारतीनमेरगुगमरवारवकुसुव
यामनू वेदलघुगुसबदगोरवरंगतिसी
मेतारहीइरन्दुलोकडंउलीसनामनू ९३
।।।।ऽ।ऽ।ऽऽऽऽऽ।ऽ।ऽऽऽऽऽऽऽऽ।ऽऽऽऽ
ऽऽऽ।।ऽऽऽऽ।ऽऽ।ऽऽ।।।ऽऽऽ।ऽ।।।।ऽ।।९
दोहा नगनभगनगुरुजगनपुनतगन
सगनमधिवान यगनमगनरविवज
रहूंविसुतालपरिमान ९४ ।।।ऽ।।।ऽ।
ऽऽ।ऽ।ऽऽऽऽऽऽ नस्या·ननस्या·किंयर·
कुंदकुंरस्या·नकुकु·नककुकजग
नग·नककुरि·कुकः फिकुकु·धरि
ध्योकुकफें·फेकुकु·किरकिण·र

सं
१५
75

रटकुक·किरगाउ·ररकिट·कुथुकिट·
किटतक·थरिकिट·किटथरिथो· कि
किटः किंटधुः थुथुकिट· नेक्षिट· नक्ष
क्षिटःजकिट·जगजग·जकःथरि·कि
णजगःकिणथरिनककिस्था इतिविस्न
तालः दविगमह्रडुतगुगलविगम ८००
यह्रश्रठतालविलेवितनाम ६५ पकव
लैमरपकेह्राइ ०। जातिलगथोकह्रिस।
वकोइ ६८ लहुगह्रश्रह्रपकेलविगम।
।। क्रूमरतालश्रतह्रिसविधाम ६० दोह्र
विरतंश्रतडुतिंपाचलिविविरतिंश्रतडुति
चार ००००८००००० तालउतिहिम।
थोकह्रसवैगनीनिरधार नगनपकतिः
शह्रलवुहेहेगह्रडुतवान श्ररत्रगनम
दविगमथोक्रूमरतालप्रमान ६९ ऽऽ।
।ऽऽ००।।।।००८ तोनवैलपकेदविग

म गाहकितालकैहैअभिराम ११ ०००ऽ
विरतिअंतेहुतपाचलिखविरतिअंतहुतबा
र ००००ऽ००००ऽ तालतिउदमघोकहैम
वैगलीनिरधाम आपकुगरहुततीनपती
नेवारंतुठान लघुहैविजनमरसातगुरु
गुगहुतजान ११ हंसकेगानूपरबडरावैले
गुगलवअंग गुरुगाहगितनीपशुतहुत
लघुगुगगुरुअंग १२ छंद स्वर्णमेरता
लहिकोनाम हवतलगैअंतहोअभिरा
म १३ ॥ऽ०००।ऽ०००।ऽ०००।ऽऽ।०
।ऽऽ०००ऽ।००ऽऽ॥ऽ इतिस्वर्णमेरता
ले दोहा वेदविंदअंगुरुलघुगुगलतीनबिं
दुलघुपक वैलेगुगललघुरूपलववक्र
तालस्वविटेक १४ ००००॥०००।००।
०। नगनजगनअरुआपकआन विजय
मंठयातालहिजान १५॥॥ऽ॥ इतिविज

सं ध्रुवमंठताल वलयवानहैत्रयघइकमेर सा।
१८ लगमछ्रचौथाफेर १९ ०।०००। हारवेले
76 मन्मरख्यान हैहैदुतनगरलघुमरजान ३०३
सारसमंठअन्तहिय्रभिराम सभगणजनक
हैकीलकनाम ११ ००ऽऽ।। कीलकता
ल रविरविपकैतारख्यान पंडितमंठिता।
कोघहप्रमान १८ पंडितमंठताल रगन
हारलघुवक्रहारप्रशावदवनाइ सवको
विदयौंहीकहैरविमंठहियाभाइ १५ ।।ऽ।ऽऽ
कंपालिखोचारहैश्रान मंठविरामरूपयौं।
जान ८० ०ऽ।०ऽ। इतिविराममंठताल
एकगानइकनूपरश्रान चित्रमंठकोक
हैवखान ८१ ।।०। हैदुतलघुहैवक्रोधार
कहैतालप्रतिमंठविचार ८२ ।।००।। भग
नवारनिःशावदहिजान मुद्भितमंठतालते
जान ८३ मगानसगानक्रमतेयोहेहि म

ढुकतालनामयागोरहि ८४ भगनचार।
त्रिशाहूनिजान मुदितमंठतालहूमान
लघुजुगहुतयुगलघुद्रुतहोइ वर्णमि
ठयहयोंतजोइ ००।।००।। एकहारघ्रु
रूपकैग्रग होइगंभीरमंठयोंरंग ८०।ऽऽ
तीनबिंदुव्यापकगगनमेरवलयहैवान
भिन्नमंठयाकोकहैकीनोयहैविधान ६
ठ००।००। विजनएकपिलीगुवरहोइ
मंठकलिंगकहैसबकोइ।।०।। इतिक॰
लिंगमंठताल सद्रुतगुगहैवारलिखिल
हलद्लदलकूप दलदलदलनिःशाह
ग्रहंसकोरणकोरूप ९' ।००।००।००।
००।००००।।।। इतिसंकोरणमंठतालः
गुरुलघुग्रगंपचद्रुतनाम विजपतालय
हग्रतिग्रभिराम ऽ।ऽऽऽऽऽऽ०० घट
बिंदकग्रहूपकेहार तालहदर्शनयहूनि

सं
७७

रधार ०००००००ऽ होहा औरैतालअनं
तहैंतिनकोज्ञानप्रकार हैंअबकहुअक
कहतहैंकारकैग्रंथविचार ११ प्रस्तारहि
पहिलेंकहैंपातालहिपुनज्ञान जानत
हैंगणसकलकेतालसंगीतप्रमान १२
द्रुतलघुप्लुतनकोंकहेंमेंहैंविउप्रस्तार
वारोमेरनमेवरूरनष्टतालनिरधार १३
नष्टतालकेकलनिकोंप्रष्टमेंपिरवना
इ आदिविउकेअधलिवरुअलअंगवित
लाइ १४ पुनन्रुपजेअंगहैंतेंइनोचेआ
न मेंलेंअंगवांधलिवोवउअंगक्रमठा
न १५ यहविधवारेवारकरजोलेंसबा
द्रुतहोइ योप्रस्तारप्रकारकरकहैंसंगी
तोलोइ १६ इष्टतालकेद्रुतनकीमेंकावि
तमेंआन अंगपंतितिनतोरखेोयहविध
मनमेंजान १७ एकहद्रुतक्रमतेलिवो

योहीकरेएकविलोग हितीयचतर्थेन
षष्टकोअंगगहिमेकरजोग १८ चौथोछ
टयोजोनहिलहिये तीनोअरूपंचमत
वकहिये ३नकेजोगहिमागेधरिये ता
पाछेपुन३हविधकरिये १९ अंकनको
संख्याविनथान तालभेदहूतेतेमान
तिनअंकनिकेजोगतिहोइअंककोरूप
तिनअंकनितेभेदविधकहैये अतहिअ
नेहिअनूप १ भेदअंतडुतपहिलेजान
पाछेभेदअतिलघुमान २ वंदअंतग
रुभेदनलेख खुतअंतभेदअंतरेख ३३ ५००
तिसूची दोहा प्रस्नकरेप्रस्तारमेकहि
याअंकहिरूप गणजनयाकोकहतहै
नष्टकप्रस्नअनूप ४ जेतेडुतप्रस्तारमे

१	२	२	८	१०	१६	३२	५०	१६०	१६०	१२१
१५०	१९०	१८१	१५८ ५०५	५२	२६	११	१६	१५०	४	
									४	

सं
७८
78

प्रस्नकरैकोउग्राउ श्रेकपंतितितनीको
रोवरूभांतनविमलाइ ५ नष्टश्रेककोश्रं
तमैदीजेमीतवटाइ प्रस्वपूरवश्रेकको
मेघद्दिमध्यनम्राइ ६ प्रस्नश्रेकउनद्दिक
टैतोश्रपनितडुतहोत श्रेकनिरंतरद्देव
टैंतवग्रकरैउदोत ७ नोनश्रेकइकस
मबैटेकेहैसमबटजाहि पकछांडिग्रा
लोबटैतोवहस्मृतकहाहि ८ श्रेकग्रा
भावोहोइनंरहतंरलीनोडुतलेव नाला
द्दिप्रणाकोजियघोनष्टद्दिश्रवुरेख ९
रूपद्दिलिखपृछेजवद्दियाकोसंख्याग्रा
ने नालप्रस्नकोमीतनंउरिद्दष्टद्दिकरजा
न १० इतिउद्दिष्ट तिरछीरेखानीनकरहू
परकीचिन्नवाहि लिखसूचीकेश्रंकनं
प्रथमपंतिश्रवगाहि ११ श्रतद्दितीय
प्रस्तजाकोछटघेसोकरजोग करहू

पकेंअ्रककोयाहीमेसंयोग १२ जौन
छिपावैवोयोछूटंओ तौतलेरहंतीजो
पंचओ याविधनूपातालवनाइ सकं
लगुनिनमनहिरिजाइ १३ अतदितोया
वोथेछूटपञ्चन भेदडुनादिकक्रमहैते
गुन पांचअ्रककेञुरेपतार सवहिनि
कीयोयहैनिरधार १४ इतिसवी[illegible]
इतिपातालहष्टिताल दोहा डुतपरिमित

१	२	३	८	११	२३	१९	१५	१३५	२३४७
०	१	२	५	१०	२२	४४	९१	३५५	३५८

यामरविपदिलेहो अतिअभिराम
केहैंग्रथसंगीतमेजिनकोपडितनाम ७
छंद निरछोपंक्तिमीयहदोइ याहीकहै
सकलकविलोइ १६ एकगेहवटतापर
पांति तापरहैवरवटियाभाति हैहैआ
दियामहैजेरं एकअंकसोंभरितेतेरं १७

सं त्रितीयाआदिविषेबरजैहै चारयोगसों
७९ नेहूगहै रूपकोआवलजेवचौ चारयो
गसोंतेरहवचो १९ जुकलुविशेषऔरहै
तिनमें सोहोकहोवनोयाछिनमें १९ अं
मअंकतवछाडहैनिहचलकरनिजचि
त मतिसंगीतथोकहतहैसमकलेक
यहतिन २० द्वितीयआदिदेपांतिहैर
धकीतिनमांहि समहोरहूरणजवकरे
अंतहिलीजेनाहि २१ अंतअंतकेसूधहि
कोअंकआनकरजोग प्रतिनिधहूकों
काजनहिकहैंसवैकविलोग २२ सम
आवलमेप्रथमहोहोनद्रुतकहेरूप वद्र
रोसमपादिकहैथोद्रुतमेरअनूप छंद २३
रूपपंक्तिहिकोकरजोर लहिंतसवसार
व्योऔर इतिद्रुतमेर दोहा कोठेपतनमें
सनोपहिलेमांईठान पकपकवारगुक

कारपकञ्ञ्रकस्रोञ्ञान २५ प्रथमपंतकेसे

०						
०	०	१	१			
०	१	१	५	६		
१	१	६	४	९	१	४
१	१	२	२	५	४	१२
१	२	३	४	५	६	७

थ्यारहहविधवकूरोलेख
ञ्ञमतजेञ्ञरुखष्टको।
जोगतह्राञ्ञवे
ख २५ ञ्ञोरपे
बजेकोष्टहेति
नेमग्रहस्मयोग। विशेषकसोयो ज्ञाति
येद्वितीयञ्ञथसंयोग २६ प्रथमपतिमे
प्रतिनिधलेख ञ्ञागतथारकन्तंदेख २
प्रथमहोनलवजानियेव
कुरोपकवषान व
कुंरोदेलबा।
छोरा।

१	५	१५							
१	४	१०	२०	२५					
१	३	६	१०	१८	३६	३४			
१	२	३	४	७	१२	२१	३४	१०	
१	१	१	२	३	५	७	१०	५४	२१

लिखतीनञ्ञादपनजांन २८ ञ्ञथल

सं बेमेर प्रथमाबलतेहूसरीग्रकमेरऊमेटी
८। न तीनलबनिमेकीलिषेतीजीचारवि
80
हीन २९ छंद ३हविपश्रीरेरचनाकीजे
हीनगनादिनूवलषिलीजे इतिलबमेर
अंतहुतीप्रकतजेकी।

१	३	९	२२							
१	२	५	१०	२१	३८	७३	१४०			
१	२	३	५	८	१४	२३	३९	६५	१०८	१८२
				८	१४	२३	३९	६५	३०३	

जोगलिखेप्रथमबरहीयाभांत ३२ पा
विजोगकोजोरिषेप्रथबहिमोप्रान
औरपंतिमेलेविषेसतहीनादिकजा
ने ३३ इतिसतमेर हृदिदर्शनभाषार
थोसबसंगीतकोसार तामेंसपूरण
भयौतालाध्यायविस्तार ३ ४

१	२												
१	२	५	१०	२२	[illegible]	४	४	१२					
१	२	३	६	१०	१८	३१	५५	६	११	२४	[illegible]	५	[illegible]

इतिसंगीतदर्पनहरिवल्लभविरचितेताला
ध्यायःसमाप्तः अथन्रत्याध्यायोलिख्यते
दोहा दर्पनीयहातोबडोज्ञानजगतको
पाल कलाकोविदनसोंमिलैगोवेसो॥
होइरसाल १ ताकेआगेज्ञाइकेनाचुक
रैलैसाथ हंदकहैसबकोंसबैसबसंगी
नविदसाथ २ गाइकवादकन्रत्यकोंहृ
दकहैसबकोइ सबैसंगकेमिलरहैंप
कसुख्यकोजोइ ३ वाद्यकनासकेमोह
तान्रसकैंवङभाइ चारसुख्यगाइकत
हंआठहोइसमग्राइ ४ दोहा आठगाइ
नीहोइपुनरसकोउठैतरंग चारतालधा
रीतहांचारम्रदंगीरंग ५ चारवजावैंवंश
पुनताकोंहृदवखान नवहिन्रसकोहोइ
सखसभासरसरसदान ६ प्रथमेन्रसआरं
भमैमुखचालीगतलेइ गीतनिवद्धप्रीन

सं

८१

81

वहुतरूपदोउ सुखदेइ ७ वहुरोशाव्दगोपि
शाकोउघटैमंगलकाज वहुरमृदंगव·
जावहीकरमेलापकसाज ८ पाउजव
निकामेरहूलैअंजलिमेंफूल तासम·
येगुरूध्यानकरहियमेंवहुसुखहूल ९
पुनअंतरूपटहूरकारंगभूममेंआइ स
वजनकेमनकोंहरैगुहपंजलिछिटका
इ १० छंद जोगुहपजलआगेझरे तोन्य
पीजकोंविसारे जोदछिनदिशाझरे फूल
तोसकलसभाकोंउपजेसूल पाछेझरे·
गुरुदुखपावै मांतेनिजवापपधरावै वा
मदिशाब्रह्माकोध्यान करपूजामेंगोक
लान ११ छंद इकइकगुहपतिअंजुलि
धारै कैअंगनिनमेंचितहिविचारै ध्या
नकसमेंरतपहिलेंराचै वहुरलताहोइकर
सचै कैचौसध्यानकसोंकरै कैसमपा

रष्याजुग्रजुमरै १३ दोहा देहसभावहि।
मोरहैसोचरनजुगलनिजठौन अंतरप।
करिविलटकोसोममपादवषान १४ दे
हसभावहिसोरदेहहरहेजुगपाइ कहै
नृपविउलोकसवधहैलताकरभाइ ने
ग्यावरतचरनजहंहोइ चौवीसग्रंगुल।
अंतरसोइ चोरसथानकसवकोउकहै
देवतवकनेसषिनिधलहै १५ वर्द्धमान
केचरणनिदेव षहंग्रगुलअंतरग्रवरेव १९
नंग्यावर्तकहैसवताको इकविलादिके
अंतरहजाको १६ दोहा दोउपाइतिरछेंथ
रैतिननेंग्रंतरहोइ वर्द्धमानतासोसवेक
हैगुणीजनलोइ २१ सलकरैननंकव
इरसोहवसोननठान समासषिवकने
लहैचितचतराईग्रान २२ लागोभदवपा
रकेदोपषिाताथहराइ सोहीननकोपक

सं छ्वपहैसमसलोभाइ २३ छंद कटिग्रहस्ता
८२ नूहैसमान कायाकिकनीइहोप्रमान २ ४
मत्रइउतनवहूकछुकरै सोहवकोगति
82 योउडरै २५ तापाकेपुहूपंजलिऔर वक्र
रपुहूपपुगतिहिसथारै २६ दोहा करवा
रीग्रहारिकादछिनपराचलिजाइ ग्रा
गेकरदोहूवंतेनहिकरचितहीमैवाइ २०
दोहा वापकरकरीपुहूपपुटउरकेनिक
टहिराव सनलपुहूपपुटसबकहैंगुना
जनयौंहीभाव २८ करेग्रग्रनलसंचर
हिवामचरणकोवान पुहूपंग्रंजुलके।
मागैंमेलजाहूकेठान २९ दोउपाइसमग
विकैर्टहिनपाइचलाइ धरतिरछोवक्र
रेकैंवामचरणइहिभाइ ३० ग्रंतरउठ
विलोहिकोदोहूपाइनिहोइ वारीयहग्राप
हिकाकेहैगणीजनलोइ ३१ सर्वशीर्षक

रङ्गमिलेहोइग्रहपग्रटनाम सकलग्र
नीजनयौकहैयहूअतिअद्भुतधाम ३२
पैंरीकलुरवीरहैअग्रटमूधौवान अंग्री
कलुसकुरीहैअग्रतलहियैठान ३३
पहिलेनृपतिअसीमकरितकोनादी
नाम नापाछेनृपहिकरेतापाछेअभि
राम ३४ शंकरकोप्यारोउमातमकोसं
पतिदेउ अंगीकृतसंगीतमैमुदितहृद
यसमेउ ३५ भालनिकटसूचीकरैसं
करअर्थसभाइ करपताककरजुगल
धरिहियपरधारीभाइ ३६ द्विवरीवज्रप
ताककोतमकोअर्थवताइ अलपल
वजुगमिरनिकरसंपतिभाउजनाइ ३७
कोपिताकअधमुखवकरदेउअर्थयाभा
इ मुखसमीपजुकपोतकौकोरअंगोकु
नदाइ ३८ हंसास्यहिकरमुखनिकटग्र

सं रुसंगीतवषान
८३
83
समरहिकरहियनिक
टहीहृदयग्रंथीयोहोइ निजग्रागेत्रिपता
ककरिभेदग्रंथीकोजोइ ४० जकारादजे
शहहैंपवारावरकेमीत तिनकोशुखेउ
हारकरिमोरदेइनिरुचीत ४१ अंतरक
रिमोपुरुषिसोहैविलादिकोहोइ करहु
नगुहेनलसबकोसबसंगीतविदलोइ ४२
खेट अंततनीततानकोठान मधसंच
ताहीकोमान चारतालकोअंतरजवही
प्रथसंचकहैसबनवही ४३ दोहा सगु
नवारीकरणसोथानकवडुनवनाइ सो
भतिअगउपागमोअरुपसंगगसभाइ ४४
प्रथमहिदिखरावहितनहिदहिनेवडरी
वाम पुनआगेवडरोकरोसबदिशअति
अभिराम ४५ अस्तअरचतरसगतिदि

खेगावैवरूभाइ लहरीचक्रादिकवरूरक
रैवनाइवनाइ ४९ छंद भुजंगकीक्रियामन
हिन्नोहरै बालकगतिमवकोउथरै दोहा ५०
पकहूलंलठनकरैनिकटनाभिकेग्राइ
हूजेहूकरकोवरूरकरिष्मादोलतिभाइ ५८
वामग्रमलोजाइकैवरूरोटेइपमार वरू
रोकरमाथेनिकटकंपतकरैविचार ५ ५
वरूरोकरमाथेनिकटकंपतकरैविचार
श्रेसोभेदसंगीतमतिगुनजनकरहिसं
थार ५० वापदहिनेवरूरहूकरगुगावरू
नकंपाइ लहरीछेदरहोतयोवरूविला
सकेभाइ ५१ गमतालमैनृत्यकरलप
तीनोगुनताव हस्तकसहिसोंवरूरहूमा
नकरैमखराव ५२ इतिगुवबामीछंद
दृष्टिविधकहैंनृत्यमवकोर नामनृत्य
ग्रकतोउवहोइ न्यालामयग्रकविषमति

सं कटखनलवअरुपेहरिगगोइलनतूंगन ५ ३
८४ छेट श्रीमिनवद्वारभांतिकेजेहा नाएहि।
84 केपलक्षनमहा ५४ नाटकआदिकग्र
थैसोजुगतहोतरसभाव नाटकहैसव
नाहिकोकरचितहोमेचाव ५५ जहवि
भावअनुभावविभचारीसात्विकभाइ
करहिखाइताकोसवैसोईरसचितला
इ ५६ निर्विकारचितमैंजवहिउपजेआ।
इविकार ताकोभावजुकहतहैंकोवि
दकरनिरधार ५७ जानेजातेरसहिको
सोईकहतविचारभाव सोविभातहैभां
तकोकहतकियेचितचाव ५८ कहत
जुनाइकनाइकहिआलंवनकीरीत
भूषणजोकहिआदिदैउद्दीपनकीरीत ५९
प्रगटकरैचितभावकोतेअनुभाववषान
स्मितकटाक्षादिकसवैकरतजुआनंद

ग्रान ८० सबभावनमैचित्रिरूपजानोपरे।
सुजान सोविकृतिमेसोकहतहैसोवस
नथोकान ८१ स्वमस्वेदरोमांचस्वरभंग।
रुकंपवषान विवरणाश्रुसप्रलापपग्र
ट्रोसाविकमान ८२ स्याईमेजवपफिरे
स्रमचारीनवजान वचनअंगणत्रभिनयन
सोकहतसवैत्रुववान ८३ रसिंगार।
अरुलासपुनकरुनारौद्रवनाइ वीरभया
नकवअद्भुतहूवीभत्सपहिचानिनाइ ८४ क
विरहासअहसोकरिसउत्साहोभयहोइ
औरजुगुप्साविसमयोस्याईभावनिजोइ ८५
वरूरोअद्भुतजानियोपुश्राठैमसहोहि
नाठमसमेसवकहतहैतेजानतयागोहि ८६
प्रीतिपरस्परहोइजोदंपतिसोथिरभाव
ताहीसोरतिकहतहैसवकविपंडितराव ८७
हगपुनरिनिकेनमकोकहैकटाछसभार

सोकटाछहैभांतकेंमनषणामञ्जवनाइ
अथसैनकटाछेर यथा सवैया वेहिहि
मजनकेललनालखिनूपहियौरतिको
थहिरोज्नू वारंग्रमोछुतिआपछबीलीवि
वछनहीछविकेलहरोज्नू हीरसमुदत
रंगसरंगकलछनिसोंपिपचितहरोज्नू
जोरह्नैनोषिवेनेनकीबालसमेनमहोह
कीनोहरोज्नू ८९ अथपणामकटाछ स
वैया नीलसरोजनकीपंतिलैमेललना
नवहीहगकोरचहै तोछमनोजकीबा
नकिधौजुलगातिनकेहियोरगहै ठकेर
हछवुद्धिसनाहनसोउरछैहतिनकेनवा
रलेहै हरिवल्लभग्रोसकहैलौकहोसन
केमनमैनहिथीररहै अथस्वतअमनता
कटाछ दोहा देखतिसुरोमनहिमेविल
तंविजनपांति सुधिआंरंतज्नीसमेजिय

कटाछकौकांति ११ दोहा वारभांतिस्र
भितयकहैंश्रृंगारिकप्रथमवखांन वाच
कश्रहास्याहास्यपुनसांतिकहकोमान १२
श्रृंगारनकरुदिखोइपश्रृंगारिकसोंईहोति
होतत्रिविधसोउवरूरकहतसवैकवि।
गोति १३ सारीरकश्रहरुभखिजपुनवेष्टा
कृतयाभाइ सात्विकभवषाश्रृंगसोंसंपुत
याहीहाइ १४ सिरकरकरणादिकनसों
सारीरकहिवषान भ्रुकुटीनैनविकासों
भ्रुखिजरीतवैजान १५ उच्छ्वासितसनिः।
स्वासितपुजनैजनपुटनिकेसंग वमको
रणतनादिसोंचेष्टाकृतकोढंग १६ कर
कैभ्रमणाविविद्रश्रुतिताकोसात्विकनाम
एसवश्रृंगारिकभेदसोंकहैंसप्रतिश्रमिरा
म १७ वधननिकरकैजोरवैसोईवाचक
मान स्वासवनावैभूषणनिनिसोंश्राहार्यव

सं षान ७८ होइअनुमानिकभावसैंसोईसा।
८९ त्विकमान प्रकटकरैजोग्रंथकौंअभिन
यसोईजान ७९ द्वैविधताकेकारणकोर
हृविधविनमैंषान प्रथमलोकधर्मीक
हैंनाट्यधर्मपुनिजान ८० पहिलीकेद्वैभे।
दसवकहैंसंगीतीलोर विनहूनिकोरी
नवहूनतामैपहिलीहोइ ८१ अथविनहू
निअर्पिका यथा कवित अरसीलेप्रेम
रसारसमैरसीलेअतिनैननकोगतिअैसी
मीकीसटसागहै वारवारअकुलितहो।
तछिननिअबलाजहीसोलभरोप्रान
मप्यागहै कवहूरहतहैटकटकीलगाइ
पनकहैदेताहैयअनुभावअनुभावहै क
हैकिनयालीइनिहूगनसोनेहकरनाहि
नैविलोकनिसकौंनवउभागहै ८२ कि
धौंभयभरीकिधौंआरसमैअनुसरीकि।

यौंगर्वभारीभरीखरीरखिनखिनकी प्रेम
सरसानीकछुकुटिलसीजानीपुनदेखि
यैलजानीछविहोतहैगतिनको मनस
महोन्ननमनमोहतसीरसरीतरनको।
सुमारनाकरनको चपलकमलदलदु
हतिसीग्रहणहरेमनगीढपौग्रसीज्ञवत।
नकी ८३ दोहा हगतारेकंपतिकछुपल
कभ्रमेकरग्रास दृष्टिव्रमिततामेंकहेपं
ज्ञितलोकप्रकास ८४ इतउतग्रवलोके
कछुबाहरउन्मुखहोइ मुकलततामें।
कहतहैंसबकविपुनिजितनो ८५ छंद
दृखविनवैदैगनद्विफिरग्रावै मंकितरष्टि
यैहैजुकहावै दोहा तारेग्रतिग्रारसभरे
चितवनमेंग्ररसाहि पलकचलैकछु
दृष्यानेतारेओढकहाहि ८६ पलकजुप
सेरेनचलैंतारेचंचलभाइ सूविकहि।

सं समौंभोक्कुटिलदिहयादाइ ८७ सूरयपल
८७ 87 कजुनीचेलागे मनमेंलज्जासुतिहोजागे
लज्जाहरिक्हिकहनहैंयाहि सवकविकोवि
दमनमेंचाहि ८८ विनेसकैनहिंहरतेक
छुमलीनछुटिहोहि अलसकोरिगोहि
छिवहकहामिश्रितयागोहि ८९ हपपहप
मानोपिवतिनिर्मलहोतप्रगास कोता
हरियहैकहैभोहकटाछविलास ९० क
करपनाकसदसनिकेनिजुप्रागेदिखरा
इ नवरूपहिकैग्रंथकोइहविधनतनवना
इ ९१ कुंदहंसवदनकरग्रथग्रुलिभाइ प
रेवारियाईदिखाइ ९२ परिवाहिनसि
रकीजियेग्ररूषटकाग्रुखेदान जुवन
निकीयापदहिकोग्रभिनयग्रथवखा
न ९३ सखीमरलकरेवनाइ पवनपदहि
कोग्रंथवनाइ कंपितग्रलपलवको।

करै चापलताहूकोअभिनयभौरै १९ क
मलवर्तेनावफेरोकीजे कमलयाहिअर्थ
कहीजे करत्रिपताटकदलदिखरावे स
वकविकोविदकेमनभावे १९ दोहा
करत्रिपताकोजुगलअंगुलबाहरजोर
छोहूतीयपदकोअरथदिखरावैविस्तार १९
नैननिकटत्रिपताकसधार दोऊशवद
कोअरथविचार आवाहवस्त्रअंगका
गोपी दोहा कस्तूरीकोतिलकतिलभा
ललसेजुवतीर वेवेभोहूैथनजेनिति
कोहिमाराहूवीर १९ छंद नासानिकट
हसमुखकरै कस्तूरीकोअभिनयधरै
रवित्रिपताकभालकोपास तिलकअर
थथैंकरसुविलास १९ करजुगासोक
विकाउलहिह्विलिकहियपराखे त्रि
पटकोअभिनयकरैरहविथवितअभिला

से षे ९० जुगपताकसिरनिकटहिठान
८८ भालपटहिकोअर्धविषान अलपपल्लव
88 करकैदिषरावै लसैशाहूकोअर्धवता
वै ९१ अथअरधकनोसषविसाज अंसे
सेमांसहरहिविराज सैंपटकोवहूका।
सुषकरै नोअरधयोहोउद्दरे दोहा ९२
आगेनैरविषोनलोंपटकोसुषचितवा
इ षिविपटहिकेअवनयहिंअंसकरेव
नाइ ३ भोहनिकटकरहैसटस भोहा।
अरथइद्रपासस करसिषरहियत्रुभा
ववताइ निजचितमैंबहुविधकरचा।
इ ४ करपताककोकरहिकंपाइ जो
नतिनहिपावककविराइ ५ करतेमोन
पताकहिअधसुष हनिहैकोअभिन
यकहिकरसुष ६ इतिलोकधरमी ।
अथनाद्यधरमी दोहा हुतिकोसिको

कोलपकोकिलशोभाहान चमत्का
रनिनादमेंतिनकूंकहविधज्ञान ७
भेदनाचधरमोमेदोइ कहतसबकबि
पंडितलोइ ८ अंगनिसोअभिनिकवि
कैंभागअंगास सबपंडितनासोक॰
हैमारगनसविलास ९ करिअंगति
बिछेपवडअभिनयतेंह्रानदोइ न्रप
कैहैसबताहिसोसबसंगीतीलोइ १०
सिरउरकरअंगपाश्वअंगकटिआदान
पाइ माकोकहतेषउगहैसबकविय॰
उतनराइ ११ ग्रीवाभनअंगपीठअरुउदर
उनूअंगजंघ कोअमणिबंधहिकहैअंस
गहिकेसंघ १२ दोहा नेत्रनासाचिबुक
अरुअधकपोलनिज्ञान पउपागअहैमेक
हैतियमेंलीजेमान १३ सीसनेनकर॰
श्रादिदेअंगगाविसबभार क्रपासनोहा॰

सं रीकेरपेखाकेभाइ १४ दोहा गीतवाद्य
८९ अरुनृत्यमेमिलिकेसमताहोइ ताहीको
89 उपमानकरकेंहसंगीतीलोइ १५ संग्र
दायकोविधलपनमकेरविलबाइ २२
प्रकारसंगीतमतिकेंहमहाकविराइ १५
छंद रूहहूअस्तमज्ञातिसपीत मेधा।
ववनकहेरसगीत कहेगुनीसंगीती।
न दशप्राणनिसोनसहीन १७ संधप
वसोनसहिकरे रेखाश्रीरप्रमाणतिहिप
रे सहनसघाहीकोकरे यौरेखनवकु
वियसावलरे गीतअलापनजुवहेक
रे हाथनिसोअर्थदिरवहै नैननिसोव
हुभावदिखावे पाइनसोपुनतालबना
वै १८ दोहा प्रथमभाववीमानवीगज
लोलजुपनहोइ गाहवेगनीहंसनीसगी
वहानजोइ १९ श्रीरंवजरीतीगतिजान

सातभांतिकीपगतिमान २० वीरअोरउ
त्साहहैमैंरोद्रभावरसग्यान कुहबकरैन्तम
हिवैरेतोउवन्नमहिग्यान २१ तानीवकृत
विलाससोंकामभावदिवराइ नावसा
पहूलासबहैंश्रृंगारचितलाइ २२ सुविप
सत्रमरुहासपुतसोसुविरागवषान वा
रभानकोहोइसोरतिकेनामनिजान: २३
स्वाभाविकअरुप्रसव्रपुनरकहोइअरुषण
म सुविविलाससोंसहजनहींसोस्वाभावि
कनाम २४ अद्भुतहारश्रृंगारमैंहोतप्र
सत्रसभाइ वीररौद्रअरभुतकरनरइनमै
रक्रवनाइ २५ रसवीभत्सभयानकआ
न प्रणामहिकोइनठौरनिठान वडहोन
टनाटीकोकरै देवसत्तिनिजचितमेंधरै
नटकेलखुनअवहोकहो जानेअग्यानस।
सागरलहो च्यारभांतिकेअभिनयजानें

सं भाषाभेदनिबद्धतवषाने पंडितनटताहो
९० सेंकहैं मारगानसहितीकेलहैं कूटेस्र
छुरहोसेंनाचे चचत्पुटतालहिसोनाचे
वद्धतवाद्यभेदकेसंग वद्धतविरामकरै
वितांग यहैकहैजतिनसवषान केहू
जीविधयोवितग्रान हस्तुखपाटवर्ण
श्रमिराम श्रडुतालइकतालीनाम वाद्य
खेरविधवद्धतविराम योजतिनसकरै
सखेयाम २६ दोहा पांचकूटश्रुछरकहे
क्रमतेइहवितनाम समरूपार्श्वश्रूम
लघुनिश्रगुरनिकोंतमान २७ पार्श्वचर
नकोश्रग्रपुनिकरपाइनकोवान नहि
स्योढनोघहैकूटवर्णकीवात २८ श्रथ
वाद्यक्षर तथ्या ततथ्यादाधिकिट तक
थोतकिटधकततकिट धिकेटधिकत
तकितकिततकिट धिकेटधिटातथो

गाथैंगोथैथ तिथैथातिथै थैतिथैथै
था २९ इतिजतिनसम दोहा क्रमकर
मारगतालकेराजसतालमैनाच स्था
नकचारीवकृतविथविउमेउलनिराच ३
करणवकूनभांतनकरैश्रोरोहस्तशमा
न सवटचालियाकोंकहैंसवसंगीत
समान ३१ होइरुपकहिपाइसोंचारीता
रीनाम हैपाइनिसोहोइजोवहैकर्मश्र
मिराम ३२ छंद वारहहरइउनकेहोवषा
न तिनकेनामकहतहोंग्रान ३३ दोहा
निरिमिठग्रहचिऊगवोथोमेंउगनाइ
नाख्यानवकूरामहरिहमुहरिजनाइ ३४
तीनकरनकोंविउजोहोइ तीनतीनमेउ
लैमेजोइ ग्रहतालमेयाकोकरै केवा
तासतालमेंधरै ३५ हलतावणीकर्तै
रीतलकवकूगेहोइ प्रसरवारहोहोतहै

सं कुहतसंगीतीलोइ ३६ आदितालसवि
३१ लवलैरैरवामुहग्रान युगप्रमाणनाना।
करनिसवदजुसवमुवहान ३७ नेरिन्सथा
९१ कोकहेसवकोविदचितवाइ करनज्ञा
गतिजवकीजिपेकरनमेरिकोभाइ ३८
यैहेमानडतिकीज्ञिपेनोनउनेरिकोम
नोइ इहिविधयाभेदहिसवेकहतसं
गीतीलोइ ३९ शुद्धपताकादिककरै
शुद्धनेरिहोहान मिलनकसंयुतकरन
तंसालंगरीनउदान ४० संयुतग्रोरग्रु
संयुतोन्सदसवडभाइ संकीरननेरे
कहेताकोवितकीचाइ ४१ विचकव
मारगनिमैगतसंकोचहिग्रान वारवा
रचारकनिसोरूपकतालहिहान ४२ सं
वतीनहसेकरेन्सवनाइवनाइ भिन्न
कहेसवतारिकोकरचितहीमेचाइ ४३

वालकहोहिविविचित्रवरूरेखोमैंछव
ठान ञतिइकतालीतालकोमागवि
श्रतरठान ४४ नाचेवरूतेभाइदिखावे
चित्रउउश्रेसोहिवतावे ४५ दोहा की
उतालहिठानकेभ्रमणकरेवरूभाइ
गतिसकोचप्रसरजेहानन्वहोतया॰
भाइ ४६ समरविषमसूचीकरैम॰
धमानमेंठान आदितालमेशवू॰
सतिजारमानयोंजान ४७ उत्कटथा
नकवैठिकैगाविथिरकरदेहू वारू
दिशामोरेभनातिरछेकरकेदेहू ४८
श्रनुसरकीउतालमेवरूदिशाकरत्रि
पताक मुहूकेदेयानस्पकोंगुनजान
पकेवाक ४९ गंधनिगुनजनयोंक
हैसवसंगीतविदनाहू ५० पकैचरम
उत्थाइकेकछुश्रकदेहूकणाइ लव

सं शोवरमुखतालमैवकुलहोतयाभाउ ५१
१२ स्थानश्रमकपारहिकैरुग्रहैंवरूकटि
गव कटिहूपरतनफेरकेपवताल।
92 हियोभाष ५२ छंद याकोकहैतला
वणीहोइ याकोदेखतवकुसखिदोइ ५३
समपादकस्थानककैस्वस्तिकजाव
फिराइ वापदहनेवेगसोहरतकरैव
नाइ ५४ छंद गजलीलातालहिश्रउ
सुरे वकुश्रोरहेलसहिकैं सोइक।
श्रानगाविसान झुलकहैयाकोक।
विगत ५५ दोहा उतप्लुतश्रादिक
करनकरतालमानसोंमीत धाउन
सतवहोतहैयोतंजाननवीन छंद ५६
वारहैतीनश्रागामचारीकरै वऊर।
गतितिरूपकीवेगहिश्रनुसरै श्रंतमे
गरकरचितसखिमाजको धाजन

सहिकैहैअनंदसषविसाजको ५७ इक
पाइवांधेहतनूपुनदोऊसममभाइ परेभू
मेमेआइकेराइवंकालवनाइ ५८ वां
धिसलकूधोकेरेचरणपषोवनिभाइ
भूमकेभूमेगिरिपोंरसअउलजनाइ ५९
वांधिसलकूधोवडूरमिलैचरणसम
भाइ हूरजाइमेमेपरेपतिसककेटाइ ६०
ननअलातलोफिरकेफिरपाइपिछ
गतिहाइ लोंबेहूजेपाइसोंधेहैहरम
इंजोइ ६१ आगेचरणपसारकेसल
केचिनलाइ लागेहूजेपाइसोदाट
कहैयाभाइ ६२ नवअनरथाकोक
हैगुननजनचिमकेवाइ पकपाइमय
रावकेवडूरोकूटेआइ ६३ परिलेदो
मंउीकरेपुनकरजुगनिवमार पछि
मारहरहिकैहवांहिफिरैनिरधार ६४

सं इतिधाइरसभ्रम अंगनमेंसुद्रुतादिक
१२ मान नानाभांतिचरनपरमान ९५ वा
दिवर्णकोरमनहोहोइ शाहूनमनाही
कोजोइ ९६ दोहा स्वरअभिनयअंग
निकैरैभावनलोचनमाहि शावदना
ललथपादमोहोइकहेकविनाहि ९७
धैउगादिकस्वरउद्धैरागादिकनि
वनाइ थानकवनरसहिकैरेमिघर
हस्तजुफिराइ नाभिनिकटकारएकु
थरहजोअग्रगोराव नटजुसारजुवितेक
रंगरजनजुवितेभाव ९९ एकपाइस
वीकेरहजोअंगुवितहोइ नटजुसारका
रिशनिकरैयाहीकहैसबकोइ २० ना
पजकोआवर्तनकैरे हस्तोपालेको
लैधरै २१ नाभीरूपरहेबडरकुचके
दनलेंआइ शिरवरहस्तोदिखराइके

वडूनकरैविलवाइ ॥१३॥ छंद शावूनम
मेपपटथ्यान वांणवायकरोहिमान ॥१२॥
नहियोढेना छंद फवूनमहेभानवक
होवरनरहर वरनरमरकेभटनिल
होवायप्रवेधनमभेगावे तोवफते।
हवेरमउपजावे ॥१४॥ भ्रफवकोउदा
हृत नक्कृदक्किनकजकरुणक्रयरि
किनकिणाउथ्यरिकिः नटकिणज।
कणककिटनकक्किम्या छंद दहिने
भ्रफवापदूध्रगमरपाटनिदिवरावेर
ग भ्रगउपागमेवेतहराजे नरनवि
वरननवफछविछाजे ॥१५॥ भ्रफवता।
लहिमेकोरपनावे मेत्रुकहीयहनो
मेमाव ॥१६॥ यथा ढिढिढिढिना
क्राघधाटगाढेगा गिणथोंगाथो
गाथोंगा टेहा टादिवणमथदाउ

सं करसंभ्रमनजरंहोहि चमत्कारथाकोक
९४ हैजेतानवद्यागोहि ।। गाइंगितालहि
94 लैकरेनमचहोदिखावति नमचमत्का
रहिकहैंसवसंगीतवधानि ततथ्या त।
कक्रुथ्या तक्किटा कक्रुथरि किटा।
क्रुकरिकि। जनकिट। क्रुक्रुथरिकि।
ट। क्रुक्रुथरिकिजननकिटक्रुथगडि।
इतिवामभागे तक्रुतकितकधिकित।
कधिकि। तकधिकितोकजननकित
क्रुक्रुथडिकिथ्या दोरअंगमों अथगी
तनस्वछंद ततादिकवर्णतालधारी।
कहै करेनमवङछगोतलीलालहै
जो छंद थ्याइआदिवर्णनकेसंग भा
वकहैं रगआदिउपंग ।१९ दोहा पद।
अरुवाकानिकेअवरकरमोंअभिन।
यठांम अहेजेतालनिकेकहैंचरनति

सोंमबवान ८० अथस्वरमंडनसम दो
हा गीतरागमेमुख्यजेस्वरहैतोनप्रमा
न तिनकोअभिनयकरप्रथमकहेस
वैसंज्ञान ८१ दछिनकरअलपद्मकर
वाघेचतुरवनाइ पतिमंडलनहिउनक
रैमोरललितसनाइ ८२ इहविधअभि
नयषड्जकोदिखरावैचितचाइ इसब
दछिनकरहिसोकरैवऊसविपाइ ८३
वामअहेचढ्हिकरैकटिपरसमसिर
भार ब्रह्मध्यानकरकैवऊरिषभ।
स्वरहिदिराइ ८४ इसकअकतेउ।
हिकरैकहनादीववनाइ सिरअपउ
दिखरावैवहुरअंगुष्ठक्रांतजनाइ ८५
वऊविधचारीउनकरैरसभावनिको
भाइ स्वरगंधारहिअसेहीदिखरावैक
रचाइ ८६ छंद करगगनस्वलिककरै

सं पताक विंधुतसिरहिलनकौं तिस्राक
९९ थानकसेवकनौवैग्यान कैकटिछिन्न
95 थानकरिहांन हासदिष्टरावैकरभार
मध्यमस्वरपेमेममकार अलपलवह
नकरकैं अवसिरमाजवकूतम्रव।
धरै वैसवथानककरविस्तार को
तदिष्टकोंकरैप्रकार पंचमस्वरको।
पसीरीत दिखरावैवकूतेकरप्रीत ६
दोहा करुणाकरकारलेकोवीभ
त्सहिमैनेन पराहृतसिरथानकोंप्र
स्तालीढिस्वेन ९९ याविधयेवनकरै
प्रयोग अतिषादकोमतिधेजोग ह
स्तोहस्तककरैवनाइ दोनदिष्टरावै
वकूभार धुतसिरकरैभावमनग्यान
अरश्रुतिनादहिष्टैमजान १ दोहा
बरुणादिकमेरकको उप्रथमहिदि।

ख्वगाइ पुह्नपुटादिककराणपुनख्मा।
स्नसमस्नतिभाइ उवनहोनाभातसे
वरूदिशामोइनाच तालतिसारुकय्र
मलयोविलंविततचितगाव् १२ केका
रूयकतालसौंकरपताककोन्ह्स
विलंवक्रियेनाचेवरूरशावदांवइको
न्ह्स विलंवक्रियेनाचेवरू १३ जीन
गीतमेवरूकैवितमेकरवरूपीत
स्वरंमउदिकेन्ह्सकोकदेजुपसीरीत १४
इकतालीलैतालजतिजतितालदिमे
नाच सवंसगीतीयोकदेस्वरंमउदि।
योवांच १५ इतिस्वरमेठंख्वद फवसे
ढ्रूपजनपात्रितीय श्रटतालपकताली
स्वहीय स्वतोकदेस्वउसालगासरूप
जासस्वनतरीफतस्वभूप १६ होदू
पकैकरनजठकिकावतिनजोवउता

सं नृ इंभरासइकतालिकाआठसर्तमान ९०
९८ छंद परिलीमाईध्रुवसोंनाचै करम
चेष्टतादिककरणचै नानःपरिवर्तनद
छिनआद दोरुओरकौरेगतिआद ९८
भ्रमितपदहस्तमनोहरआन उडुपादि
भोगलोचान उदग्राहादिमैकरैसमा
पति ध्रुवनसहिकोपमोघरगति ९९
दोहा मंठहिमैइकवारहीग्रहनचिमंठ
ताल लीनदोइकेचारहूध्रुवमरूपनि
माल १०० एकवारआभोगपुनचित्र
हस्तकनिरान मासकरैध्रुवमेवहर
मोभामोहवावोन १०१ रूपकमेउग्राह
ध्रुवनाचैवहुरीन्दम करैध्रुवहिमै
गीतकोउनआदिकलेहस ।१०२ छं
द इहिविधरूपकनसहितान सबसं
गीतीकहैवषान २ गावैकंपाताल

कोमध्यमानसोमीत पदचारनकोरह
रलोनंतपहिकोरेसवीत ४ लसकेला
सहूलासपुनहूसलकवऊरदिखार स
वसगीतविउथोकहैचितमैबऊथा
रवाइ ५ अंतरपुक्तकलामसोंफपा।
न्तसवषान त्रिगैघतालकीन्तसग्रव
ऊतमानहिमोहान ६ परममनोह।
रकरनसोंलासकलासनिराच त्रि
तियन्तसहोहोतहैदिखरावैनटनाव
अडुतालमैनाचियेउड्डाहादिकथान
गीतगानवऊन्तमसोंलयविलंबर।
विमान ८ छंद ध्रुवगावैकोउक
हिखपाइ परममनोहरकरसरसाउ
रकतालीकोतीनहिगावै वीचभ्रमका
कोसरसावै वालकश्रीरकलासना।
वै गाइअलापिलासदिखरावै भांति

सं
९०

97

भांतिनमहिनटक्यौ पकनालकाना॰
लहियौ १ ग्रपदेषीनम छंद विड
विड्वीरीकहै हैभांनिधैविड्नमहि
लहै विड्विड्पड्मुड्मौंरचै लपजा
तिनानाहिचारीसचै १ छंद चारपा
पमुखिनैउचारै किंकिनघुनवङ्मु
खिकौंकरै लासग्रंगाहकलासवना
वै हसतिमूलादिकदिखावै विंट
नमयाहीकोकहै हिधमैवङ्नग्र
नेटनिलहै ङुङुकवजावैग्रतिहि
रसैं संरगपैढिनारीग्रभिनयसैं ॥
दोहा श्रावटन्टमवङ्गेकरैलासंग्र
गवङ्ठान वङ्रग्रलापहिंग्रानके
लासग्रंगामङ्ग्रान १२ छंद पद
विचित्रगतिवङ्नेठाने ग्रंगनिसोव
ङ्नमहिमोवाने वोचवीचपिलमूर

नाचै हावभावतालनिसौं गावै संगु
नकोमलश्रुगनसौं श्रुति वाघवर्णन
सहितकरद्रुति वक्रपिलसरूपढिकर
नाचै ग्रावदअच्छरनसौं गतिसाचै वा
रनसकरकैपुतिमास करैग्रावदमैस
रवगास कहहिरनसकहैसवघाको दे
रववरुनसहरवपावैताको १२ दोहा ह
रिवल्लभभाषारच्यौसवसंगीतकोसा
र तामैसंपूरणभयोनसविचारअपा
र १४ इतिश्रीकविहरिवल्लभकृतासं
गीतदर्पणभाषासमाप्ता शुभम् म
स्तु लेखकपाठकयोः १ ॥